अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 219 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 03 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

संसद में उठा प्रयागराज में एम्स की स्थापना का मामला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भाजपा से फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र में प्रयागराज में एम्स की स्थापना की मांग की। सांसद ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडवीया को संबोधित पत्र के माध्यम से सदन में कहा कि प्रयागराज उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक आबादी वाला जिला है। वर्तमान समय यहां की जनसंख्या 70 लाख के आसपास है। यहां 3178 गांव हैं।जिले में उच्च चिकित्सा की सुविधा नगण्य है। इस वजह से प्रयागराज वालों को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ या फिर दिल्ली जाना पड़ता है। सांसद ने कहा कि इसके समाधान के लिए प्रयागराज में एम्स जैसे चिकित्सालय के निर्माण की तत्काल आवश्यकता है।

महिला हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक खेलों के 10वें दिन सोमवार को भारतीय महिला हॉकी टीम ने तीन बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया। भारत के लिए एकमात्र विनिंग गोल गुरजीत कौर ने 22वें मिनट में किया।

यह जीत इसलिए इतना खास है क्योंकि महिला टीम ने ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। महिला टीम से पहले पुरुष टीम भी ग्रेट ब्रिटेन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। भारत की इस शानदार जीत के बाद चारों ओर हर कोई टीम की तारीफ कर रहा है। हॉकी टीम को देश के कोने कोने से बधाइयां मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दोनों टीमों की तारीफ की है। मोदी ने महिला टीम की जीत के बाद ट्वीट कर लिखा, 'पीवी सिंधु ने न केवल एक योग्य पदक जीता है, बल्कि हमने ओलंपिक में पुरुष और महिला हॉकी टीमों के ऐतिहासिक प्रयासों को भी देखा है।

मुझे आशा है कि 130 करोड़ भारतीय भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे क्योंकि यह अमृत महोत्सव मना रहा है।' मोदी के अलावा भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल ने भी भारतीय महिला हॉकी टीम को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा, 'एक मुश्किल हॉकी मैच था, लेकिन आपका (भारत) डिफेंस अंत तक मजबूत बना रहा। सविता पुनिया। भारत की शानदार दीवार, जिन्हें हराया नहीं जा सका! सेमी और ग्रैंड फाइनल के लिए शुभकामनाएं।'उनके अलावा खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और पूर्व खेल मंत्री किरण रिजिजू समेत कई लोगों ने टीम को उनकी रोमांचक और शानदार जीत के लिए बधाई दी है। भारतीय टीम मास्को ओलंपिक 1980 में चौथे स्थान पर रही थी लेकिन केवल छह टीमों ने हिस्सा लिया था और मैच राउंड रोबिन आधार पर खेले गये थे। भारतीय हॉकी टीम अपने पूल में साउथ अफ्रीका को आयरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराकर चौथे स्थान पर रही थी, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने अपने पूल में टॉप पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

जम्मू: रेलवे स्टेशन के पास सेना की वर्दी 2 संदिग्ध दिखने से हड़कंप, भागते हुए सीसीटीवी में कैद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में रेलवे स्टेशन के पास सेना की वर्दी में दो संदिग्ध देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया है। दोनों संदिग्ध मंगल मार्केट में भागते हुए सीसीटीवी में कैद हो गए हैं और पुलिस इनकी तलाश में जुट गई है। यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जबकि शहर में हाल ही में एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन से हमला हुआ था और इसके बाद से सैन्य ठिकानों के आसपास कई ड्रोन देखे गए हैं। बताया जा रहा है कि जम्मू रेलवे स्टेशन के पास मंगल मार्केट में शाम को दो शख्स सेना की वर्दी में एक नाई की दुकान में पहुंचे। वह सैनिकों की तरह बाल कटवाना चाहते थे।

पीएम मोदी रचेंगे इतिहास

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समुद्री सुरक्षा पर डिबेट की करेंगे अध्यक्षता

वॉशिंगटन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समुद्री सुरक्षा को लेकर होने वाली उच्च स्तरीय डिबेट की अध्यक्षता करेंगे। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर 18 और 19 अगस्त को शांति स्थापना और आतंकवाद पर प्रहार से संबंधित बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बन जाएंगे। प्रधानमंत्री वर्चुअली इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। गौरतलब है कि भारत 1 एक अगस्त, 2021 को एक महीने के लिए सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बना है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी दूत टीएस तिरुमूर्ति सोमवार को पहले दिन विभिनन्न कार्यक्रमों में शामिल रहे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता के दौरान भारत का ध्यान तीन अहम मुद्दों पर केंद्रित है।

यह मुद्दे हैं समुद्री सुरक्षा, शांति व्यवस्था और काउंटर-टेररिज्म। सोमवार को टीएस तिरुमूर्ति ने इस बात की घोषणा की। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री इससे संबंधित कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेंगे। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बतौर अध्यक्ष भारत का पहला कार्य दिवस सोमवार यानी 2 अगस्त था। तिरुमूर्ति महीने भर के लिए परिषद के कार्यक्रमों पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मिश्रित संवाददाता सम्मेलन करेंगे यानी कुछ लोग वहां मौजूद होंगे जबकि अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़ सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश में 15 अगस्त पर किसी को नहीं फहराने देंगे झंडा, खालिस्तानी संगठन ने फिर दी धमकी, कहा- घर के अंदर ही रहें लोग

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के एक विधायक ने सोमवार को कहा कि उन्हें प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एइ) के सदस्य गुपतवंत सिंह पन्नू ने फोन पर धमकी दी है। कांग्रेस विधायक के मुताबिक, पन्नू ने धमकी दी कि स्वतंत्रता दिवस पर राज्य में किसी को राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराने दिया जाएगा। उसने 15 अगस्त को लोगों को घरों के अंदर रहने की चेतावनी भी दी है। इससे पहले 30 जुलाई को शिमला के कई पत्रकारों को रिकॉर्डेड कॉल के जरिए धमकी भेजी गई थी। कॉलर ने खुद को पन्नू बताया था, जोकि एइ का जनरल काउंसल है। इस धमकी में कहा गया था कि राज्य के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर को राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराने दिया जाएगा। इसके बाद पुलिस ने शनिवार को पन्नू पर देशद्रोह और अन्य आरोपों के तहत केस दर्ज किया।

जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद बाबुल सुप्रियो ने आधा पलटा फैसला, बने रहेंगे बीजेपी सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद पश्चिम बंगाल के आसनसोल से सांसद बाबुल सुप्रियो ने कहा है कि राजनीति से संन्यास का फैसला उन्होंने नहीं बदला है, लेकिन सांसद के पद पर बने रहेंगे। बाबुल सुप्रियो ने शनिवार शाम को फेसबुक पोस्ट के जरिए ऐलान किया था कि वह राजनीति से संन्यास ले रहे हैं और सांसद पद से भी त्याग पत्र दे देंगे।

श्मशान के कूलर से ठंडा पानी लेने गई बच्ची से गैंगरेप के बाद हत्या, झटपट कर दिया अंतिम संस्कार, पुजारी सहित 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैंट के पुराना नांगल राया स्थित श्मशान घाट में 9 वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला समाने आया है। आरोपियों ने बच्ची की हत्या के बाद उसके शव का श्मशान घाट में अंतिम संस्कार कर दिया। आरोपियों ने अंतिम संस्कार बिना माता पिता की सहमति के ही किया। परिजनों को इसका विरोध करते हुए अपने जानकारों के साथ हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा शुरू होने के बाद उनकी मदद के लिए सैंकड़ों लोग जमा हो गए।मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची दिल्ली कैंट थाना पुलिस ने परिजनों के बयान पर पुजारी सहित तीन अन्य लोगों के खिलाफ हत्या, सामूहिक दुष्कर्म, साक्ष्य को छुपाने, पॉक्सो, एसटीएससी एक्ट और 506 धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। पुलिस पुजारी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की छानबीन में जुटी है। पुलिस उपायुक्त इंगित प्रताप सिंह ने बताया कि रविवार रात करीब साढ़े दस बजे पुलिस को फोन कर नौ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर शव का अंतिम संस्कार किए जाने की सूचना मिली। बताया गया कि श्मशान घाट के बाहर दो सौ से ज्यादा लोग हंगामा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची की मां से पूछताछ की।

कोरोना की तीसरी लहर के संकेत? भारत का आर-वैल्यू 7 मई के बाद पहली बार 1 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद अब तीसरी लहर के संकेत मिलने लगे हैं। कोरोना वायरस के प्रसार को लेकर चेन्नई में इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंस की ओर से गई स्टडी में जो बात सामने आई है उससे यह संकेत मिल रहा है कि वायरस एक बार फिर रफ्तार पकड़ने लगा है। इस इंस्टीट्यूट ने अपनी स्टडी में बताया है कि भारत में ऐंए-ण्दञ्-2 की प्रजनन दर यानी 'आर' वैल्यू 7 मई के बाद पहली बार 1 को पार कर गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंस में कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान और थियोरेटिकल फिजिक्स के प्रोफेसर सीताभरा सिन्हा ने बताया है वायरस का आर वैल्यू 27 जुलाई को 1 को पार कर गया है। ऐसा 7 मई के बाद पहली बार देखने को मिला है। 27 से 31 जुलाई के बीच वायरस का आर वैल्यू 1.03 रहा है। इंडिया टुडे के एक सवाल के जवाब में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के एक टॉप अधिकारी ने इसकी पुष्टि की थी कि वायरस का आर वैल्यू 1 को छू रहा है। इससे कुछ दिन पहले वायरस का आर वैल्यू 0.96 था।

पंकज पाण्डेय बनें इफको कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विनय यादव को मिला महामंत्री का ताज

इफको कर्मचारी संघ के चुनाव में सोमवार को मतदान के पश्चात हुई मतगणना अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री सहित अन्य पदों पर चुनाव चिन्ह ताला चाभी का रहा जलवा

आठ पदों के लिए होने वाले चुनाव में 22 प्रत्यासी थे मैदान में

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। इफको कर्मचारी संघ के चुनाव में सोमवार को मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नाम वापसी के उपरांत अध्यक्ष पद के लिए दो व महामंत्री पद के लिए तीन प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे।

मतदान समाप्ति के पश्चात हुए मतगणना में अध्यक्ष पद पर पंकज पाण्डेय व महामंत्री पद के लिए विनय कुमार यादव निर्वाचित हुए। 8 पदों पर होने वाले चुनाव में कुल 22 प्रत्यासी मैदान में थे। अध्यक्ष पद पर निर्वाचित पंकज पाण्डेय ने 117 मत प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंद्वी मनोज कुमार तिवारी को 54 मतों से पराजित किया वहीं महामंत्री पद पर निर्वाचित विनय कुमार यादव ने 84 मत प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विजय यादव को महज 6 मतों से हराकर विजयश्री अपने नाम कर लिया।

चुनाव अधिकारी पीके पटेल ने विजयी प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की।

जिसमें उपाध्यक्ष शिवभूषण गौतम , संयुक्त मंत्री (संगठन)सालिक राम पटेल, संयुक्त मंत्री (प्रचार) मनोज कुमार श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष अम्बुज शुक्ला के अलावा कार्यकारी सदस्य के रूप में रामबाबू जायसवाल, मनोज पटेल को चुना गया। इफको एम्पलाइज संघ के चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, संगठन मंत्री सहित अन्य पदों पर हुए में चुनाव चिन्ह ताला चाभी का जलवा रहा। अधिकतर विजयी प्रत्यासिंयो का चुनाव चिन्ह ताला चाभी रहा। चुनाव अधिकारी ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को जीत की शुभकामनाएं देते हुए प्रमाण पत्र प्रदान किया। वहीं शांतिपूर्ण ढ़ंग से चुनाव सम्पनन कराने में सहयोग लिए इफको प्रसाशन ने सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

हर हर महादेव से गुंजायमान हुआ कुंदौरा धाम नर्मदेश्वर धाम, चंद्रमौलेश्वर महादेव भक्तों ने किया जलाभिषेक

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर।सर्वधर्म समन्वय समिति द्वारा संचालित प्राचीन श्री हरिहर धाम कुंदौरा धाम एवं नर्मदेश्वर महादेव रस्तीपुर, चंद्रमौलेश्वर महादेव चनेथू में सावन के दूसरे सोमवार को भोर से ही भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और पुण्य लाभ की प्राप्ति की।

जिसमें सभी शिव भक्तों ने दुध, दही, रोरी, अक्षत, फल फूल, मिष्ठान, भांग, धतूरा चढ़ाकर जलाभिषेक किया। समिति के अध्यक्ष जवाहर लाल गौड़ ने बताया कि पुण्यकाल मे शिव की आराधना अत्यंत सुखदाई होता है देवो के देव महादेव तो अवघढ़दानी है क्षण मात्र मे जल चढ़ाने से प्रशनन हो जाते है शिव की आराधना सभी को करना चाहिए।क्षेत्र के सभी मंदिरों में भोर से ही बेल पत्र,दूध, दही, अक्षत, मधु, रोरी, रक्षा,मिठाई के साथ शिवलिंग पर जल चढ़ना शुरू हो गया और यह क्रम दिनभर चलता रहा।कुंदौरा धाम में विशाल मेले का आयोजन हुआ एवं मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।इस अवसर पर अवधेश चंद्र त्रिपाठी, शशिभूषण त्रिपाठी, चंदन त्रिपाठी, शिवांश त्रिपाठी, सुरेंद्र नाथ पांडेय, दीपक तिवारी, विजय बहादुर यादव, सतेंद्र पांडेय, कपिलदेव तिवारी, हरिश्चंद्र विश्वकर्मा, कलंदर पांडेय, राकेश यादव प्रधान, शेषधर तिवारी, धीरेंद्र पांडेय, रामकृष्ण पांडेय, श्यामकृष्ण पांडेय, आलोक सिंह प्रधान, गौरव राजपूत, रमन गौड़, विकास इलाहाबादी, रामेश्वर तिवारी, शिवकुमार तिवारी तेजस्वी, संजय दुबे, विकास शुक्ला, विकास सिंह, बाबा समाजसेवी सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे।

करछना ब्लाक परिसर में निरीक्षण के दौरान गंदगी देख प्रमुख ने जताई नाराजगी

साफ सफाई ब्यवस्था दुरुस्त रखने का दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड करछना परिसर में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने सोमवार को कार्यालयों समेत पूरे ब्लाक परिसर में जाकर निरीक्षण किया कुछ दफ्तरों में गंदगी और रखरखाव में गडबडी मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कमिर्यों को निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर चीजों को सही जगह सुरक्षित जगहों पर उसके रखरखाव किए जाने का कमिर्यों को निर्देश दिया।

सबसे पहले उन्होंन मनरेगा आफिस का निरीक्षण किया जहां पर छत से पानी रिसाव से फाइलों सुरक्षित रखरखाव का निर्देश दिया, उसके पश्चात मिशन समूह कार्यालय में देखा कि चुनाव के बाद पत पेटिका खुले आसमान में वारिस से भीग कर जंग खा रही हैं, उसे तत्काल सुरक्षित कमरे में रखने का सुझाव दिया साथ ब्लाक परिसर में बने सभी दफ्तरों सहित पूरे परिसर में गंदगी का अम्बर देख सफाई कमिर्यों को निर्देश दिया कि वे अपनी जिम्मेदारी से काम करते हुए तत्काल साफ-सफाई में जग जाय का निर्देश दिया ।निरीक्षण के दौरान मनरेगा सेल प्रभारी मनीष शुक्ला, ओपी सिंह पटेल, एडीओ पंचायत मिश्रा जी, शान्तनु मिश्रा, फिरोज अहमद संतोष पांडेय सहित ब्लाक कर्मी मौजूद रहे ।

बेकाबू कार ने बाइक सवार किराना व्यापारी को मारा टक्कर,घायल

घूरपुर। इरादतगंज हाईवे पर एक बेकाबू कार ने बाइक सवार किराना व्यापारी को टक्कर मार दिया। बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। भाग रहे कार को चालक सहित पुलिस ने पकड़ लिया। और घायल व्यापारी को अस्पताल में भर्ती कराया।

बादलगंज गांव निवासी आदर्श गुप्ता(23) राम तौल गुप्ता का इरादतगंज बाजार में किराने का दुकान है। सोमवार के दोपहर वह शहर से बाइक द्वारा किराने का सामान लेकर अपने दुकान जा रहा था कि जैसे ही इरादतगंज बाजार पहुंचा कि पीछे से रीवा की तरफ़ जा रही बेकाबू कार ने बाइक मे टक्कर मार दी जिससे युवक छिटक कर दूर गिर गंभीर रूप से घायल हो गया। कार सवार कार लेकर भागने लगा। लोगों ने पीछा करते पुलिस को सूचना दिया जिस पर पुलिस ने थाने के सामने से कार को पकड़ लिया।

बार एसोसिएशन फूलपुर तहसील की कार्यकारिणी ने बैठक कर गिनाई अधिवक्ताओं की समस्या

तहसील में कार्यरत कर्मचारियों पर लगाया वादकारियों का शोषण करने का आरोप

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। बार एसोसिएशन तहसील फूलपुर कार्यकारिणी की एक बैठक तहसील प्रागंण में सोमवार को सम्पनन हुई। बैठक में तहसील अधिवक्ताओं की मुख्य समस्याओं से सम्बन्धित पत्र उपजिलाधिकारी को सौंपकर अतिशीघ्र निराकरण करने की मांग की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए बार एसोसिएशन फूलपुर के नव निर्वाचित अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव ने कहा की वर्तमान समय में तहसील के कर्मचारी मनमानी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जिसका खामियाजा वादकारियों के साथ ही आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। महामंत्री एडवोकेट दिलीप कुमार आजाद ने कहा कि तहसील में भ्रष्टाचार चरम पर है। लेखपाल धारा 34 की फाइल लम्बी अवधि तक अपने पास रखकर पक्षकारों का शोषण करते हैं जो कि पूर्णतः ग़लत है।

उन्होंने उक्त फाइल को लेखपालों से 35 दिन में ही जमा करवाने की मांग उपजिलाधिकारी से की। बैठक में अधिवक्ताओं ने धारा 80 की फाइल का दाखिल खारिज करने,अधिवक्ताओं के चैम्बर व शौचालय की साफ सफाई, साइकिल स्टैंड का स्थल बदलने सहित 12 बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा कर समस्या के समाधान की मांग की। बैठक में उपाध्यक्ष विजय कुमार यादव, उपमंत्री राजेश पाल, कोषाध्यक्ष अजय कुमार तिवारी सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बारिश से जमीदोह हुआ पक्का मकान बाल-बाल बचे परिजन

अखंड भारत संदेश

करछना। लगातार तार हुई कयी दिनों की बारिश से पुराने मकानों का सिलसिला जारी है, लोग बेघर हो रहे हैं, जो दूसरों के घरों में शरण लेने को मजबूर हैं ।करछना तहसील क्षेत्र के बबुरा गांव में बीती रात सन्तोष मिश्रा का ईट गारे से बना पक्का मकान बारिश के चलते गिर गया, जिस घर में वे अपने परिवार के साथ रहते थे उसी के बगल की दीवार बारिश के चलते गिर गयी, बगल में परिजन सो रहे थे जो बाल-बाल बच गये, सुबह जानकारी होने पर प्रधान निर्मल कुमार सिंह ने घटना की जानकारी तहसील प्रशासन को दी और पीडित परिवार को मदद् का भरोसा दिलाया।

घर में घुसी सफारी, गाय की मौत, दो वाहन क्षतिग्रस्त

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के एग्रीकल्चर पुलिस चौकी के अंतर्गत बीती देर रात गंगोत्री नगर मोहल्ले में एक सफारी वाहन अनियंत्रित होकर एक मकान में घुस गई। जिससे दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और एक गाय की मौत हो गई। जब तक लोग आरोपी चालक को पकड़ पाते, वह वाहन समेत फरार होने में कामयाब रहा।जानकारी के मुताबिक गंगोत्री नगर में रविवार रात लगभग 11:30 बजे मेन रोड पर धर्मपाल भूसे वाले के शटर को तोड़ते हुए तेज रफ्तार से आ रही चार पहिया वाहन घर में दाखिल हो गई। वहाँ पर खड़ी दो दुपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गई। जबकि उक्त वाहन की चपेट में आने से एक गाय की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि सफेद रंग की (सफारी वाहन) तेज रफ्तार से गुजर रही थी, अचानक जैसे कि गंगोत्री नगर मोहल्ले में पहुंची उक्त मकान शटर को तोड़ते हुए अंदर दाखिल हो गई।

एक साथ भिड़े दो ट्रक और एक अप्पे ट्रक खलासी की हालत नाजुक

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। इलाक़े के इरादतगंज हाइवे पर एक साथ दो ट्रक और एक अप्पे की भिड़त हो गई। जिसमें घायल एक ट्रक के खलासी की हालत नाजुक है। सोमवार की भोर मऊ से बालू लादकर जा रहा ट्रक जैसे ही इरादतगंज हवाई पर पहुंचा कि सामने जा रहा सीमेंट लादकर जा रहा एक अन्य ट्रक अचानक ब्रेक ले रोक लिया पीछे से बालू लदी

ट्रक भिड़ गई। जिससे आगे वाली ट्रक आगे खिसक खड़ी अप्पे मे जा भिड़ी जिससे तीनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गई। भिड़ंत में बालू लदी ट्रक के खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे एसआरएन में भर्ती कराया। जहां पर उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद से सायंकाल तक दुर्घटाग्रस्त एक ट्रक हाईवे के बीच में ही जस की तस ही खड़ी रही। जिससे आगे भी दुर्घटना घटित हो सकती है।

नाव द्वारा बालू खनन करने की मांग को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। नाविक मजदूर कल्याण समिति का एक

प्रतिनिधि मंडल फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल को नदियों में नावों द्वारा संवैधानिक तरीके से बालू खनन कराए जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देते हुए समिति के महासचिव जितेन्द्र बजरंगी ने सांसद केशरी देवी पटेल को बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के एक अव्यवहारिक आदेश से नावों द्वारा बालू खनन करने पर रोक लगा देने के कारण प्रयागराज जनपद के लाखों गरीब बालू श्रमिक व नाविक बेरोजगारी एवं भुखमरी से जूझ रहे हैं।इस तरह के अमानवीय आदेश से न केवल निषादों के पुश्तैनी एवं पारम्परिक व्यवसाय को छीन लिया गया है। बल्कि निषाद समाज के एक बहुत बड़े मजदूर वर्ग को भूखों मरने पर विवश कर दिया गया है। इस समस्या को लेकर निषाद समाज में भीषण आक्रोश व्याप्त है।मामले में सांसद ने बहुत ही गम्भीरता पूर्वक इस मामले को सुना और इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाकर इस समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में राजन निषाद , संदीप निषाद , अविनाश निषाद, मंतोष? निषाद , इंजीद नीलकमल निषाद ,शनि निषाद आदि लोग शामिल रहे।

ग्राहक सेवा केंद्र पर हुआ था विवाद और पुलिस को दे दी रूपये लूटे जाने की शिक़ायत पत्र

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। क्षेत्र के दांदूपुर गांव में ग्राहक सेवा केंद्र संचालक द्वारा तमंचा सटा कर रूपए लूट लिए जाने की शिक़ायत फर्जी निकली। जांच पड़ताल में पता चला कि एक युवक से पूर्व मे हुए विवाद की वजह से उसे लूट मे फसाने के लिए साजिश रची थी।

बाद में सही घटना की शिक़ायत पर पुलिस ने मारपीट व एसी एस टी का केस दर्ज. किया। घूरपुर थाना क्षेत्र के दांदूपुर गांव निवासी सावन कुमार ग्राहक सेवा केंद्र का संचालक है ।दो दिन पूर्व गांव के ही शाकिब और दानिश दो युवक ग्राहक सेवा केंद्र पर रुपये निकलने के लिए गए थे । ग्राहक सेवा केंद्र संचालक से जब दोनों युवकों ने रुपये निकलने के लिए कहा तो संचालक सावन कुमार ने सर्वर डाउन होने की बात कहते हुए रुपये ना निकलने की बात कही ।

इसी बात को लेकर दोनों युवकों और संचालक सावन कुमार के बीच कहासुनी के बाद विवाद हो गया ।जिसमें हाथापाई भी हो गई।घटना के बाद ग्राहक सेवा केंद्र संचालक ने यूपी 112 डॉयल पुलिस को सूचना दी ।जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और सावन कुमार को थाने ले आई । थाने पहुंचे संचालक ने उपरोक्त दोनो युवकों के खिलाफ मारपीट करने तमंचा सटाकर एक लाख 27 हजार रुपये कांउन्टर से लूट लेने की शिकायत की तो पुलिस के हाथ पांव फूल गए।

शिकायती पत्र लेकर पुलिस गहनता से छानबीन करने में जुट गई । पुलिस ने संचालक से रुपयों के बारे में क्रॉस प्रशन शुरू किया तो संचालक लूट की घटना से मुकरते हुए मारपीट होने की बात बताई । पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट व एससीएसटी की धारा में केस दर्ज लिया।

मजदूर के मासूम बच्चे की गड्ढे में डूब कर मौत, परिवार दुखी

सहसों। बिहार से काम करने आया परिवार सहित मजदूर के बच्चे की पानी भरे गड्ढे में डूब कर मौत हो गई, जिससे दुखी मजदूर परिवार समेत काम को छोड़कर वापस अपने निज निवास बिहार को चला गया। जानकारी के अनुसार थरवई थाना क्षेत्र के थानापुर गांव में सहसों ब्लॉक का भवन निर्माण के लिए जमीन का सीमांकन जेसीबी मशीन से कराया गया था। जिसकी मेडबंदी के लिए एक सप्ताह पहले खुदाई का कार्य हुआ था। खुदाई किए हुए गड्ढे में बारिश का पानी भरा हुआ था जिसमें मजदूर का मासूम बच्चा डूब गया जिसमें उसकी मौत हो गई। बतादें कि बिहार के औरंगाबाद जिला निवासी जुगेश अपने परिवार के साथ क्षेत्र के थानापुर गांव में रुका हुआ था। थानापुर गांव से निकली हुई नहर की पटरी पर पक्की सड़क बनाने का कार्य चल रहा है उसी में वह मजदूर के काम पर लगा हुआ था। रविवार को शाम 7 बजे परिवार के लोग बैठकर खाना बना रहे थे इसी बीच उसका 2 वर्षीय बेटा रितेश खेलते खेलते गड्ढे के समीप चला गया और पैर फिसलने के कारण गड्ढे में चला गया काफी देर बाद जब वह नहीं दिखा तो मजदूर परिवार ने उसकी तलाश करने निकला तो देखा मासूम बच्चा पानी भरे गड्ढे में दिखाई पड़ा । आनन-फानन उसे लेकर परिजनों ने स्थानीय डॉक्टर के पास ले गए जहां उसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मासूम बच्चा दो बहनों में अकेला एक भाई था। बेटे की मौत से माता छठी देवी और बहन चांदनी और बरखा रो रो कर बुरा हाल है। मजदूर परिवार बेटे की मौत से दुखी होकर काम छोड़कर परिवार समेत अपने निज निवास औरंगाबाद बिहार को चला गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली समूह की महिलाओं को ब्लाक प्रमुख इंद्र नाथ मिश्र ने किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

करछना/कौंधियारा। ब्लाक प्रमुख इंद्र नाथ मिश्र महिला समूह की उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनका सम्मान किया, ब्लाक मुख्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में जिसमें ब्लाक कौंधियारा के गांवो में निर्मित सामुदायिक शौचालय का के देख रेख व रखरखाव हेतु स्वयं सहायता समूहों को संचालन हेतु कार्यशाला आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख कौंधियारा इंद्र नाथ मिश्र, सहायक विकास अधिकारी आई एस बी प्रभाकर विज्ञान शुक्ल, सहायक विकास अधिकारी पंचायत आदित्य यादव, ब्लॉक मिशन प्रबंधक सतीश नारायण ओझा, पुष्पराज पटेल, कुसुम आदि उपस्थित रहे! उक्त कार्यशाला में मुख्य रूप से सभी पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालय के रख रखाव में चुने गए समूहों के महिला केयर टेकर को उनके उतरदायित्यों के बारे में विस्तार से बताया गया तथा उनको ब्लॉक प्रमुख कौंधियारा द्वारा प्रशस्ति पत्र भी वितरित किया गया।ज्ञात हो कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय का निर्माण करवाना योगी सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जिसके संचालन का उत्तरदायित्व स्वयं सहायता समूहों को देकर जहाँ महिलाओं को रोजगार देने का प्रयास किया है एवं महिला सशक्तिकरण को बल दिया है।

सत्संग मंडल ने मनाया राजा महेंद्र प्रताप सिंह का 75वां जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागरा। शंकरगढ़ के राजा महेंद्र प्रताप सिंह का जन्मदिन सोमवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। सत्संग मंडल के बैनर तले राजभवन परिसर में यह दिन हीरक जयंती के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में सत्संग मंडल ने सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं और अभिनंदन किया।

पूर्वाह्न दस बजे से आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम में सत्संग मंडल के सदस्यों ने दीर्घायु की कामना करते हुए पूरे विधि-विधान से हवन पूजन किया। इसके उपरांत भोज का आयोजन किया गया। भोज का आयोजन सत्संग मंडल की टीम द्वारा किया गया। टीम के सदस्यों ने अपने ही हाथों से भोजन तैयार किया। इस मौके पर गोरेलाल सिंह बरगड़ी हाउस, नारसिंह सोलंकी,वंश बहादुर सिंह, त्रियुगी मिश्र, जगत नारायण, किशोरी लाल, बृजभान सिंह, नंदलाल यादव, अमरनाथ यादव, राजेश यादव, सूरजपाल सिंह, बृजभान सिंह, ताजेंद्र बहादुर सिंह, जगदीश प्रसाद पाल, जगत गुप्ता, सरदारजी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

शंकरगढ़ के राजा महेंद्र प्रताप सिंह के 75वें जन्मदिन के मौके पर तमाम स्थानीय लोगों ने शुभकामना देते हुए दीर्घायु की कामना की है। इसमें नगर पंचायत शंकरगढ़ के तमाम व्यापारी और संभ्रांत लोग शामिल रहे।

गंगा यमुना के जलस्तर में वृद्धि की रफ्तार पड़ी कमजोर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा और यमुना के जलस्तर में हो रही वृद्धि सोमवार को कमजोर पड़ गई। अब दोनों ही नदियां एक-एक सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रही हैं। हालांकि, छतनाग में जलस्तर की वृद्धि डेढ़ गुना अधिक है लेकिन शनिवार और रविवार के मुकाबले यह चार गुना कम हो गई है।

इन दो दिनों में दोनों नदियां चार सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहीं थीं। बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम की रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 68.11 मीटर, छतनाग में 79.20 मीटर और नैनी में 79.71 मीटर रिकार्ड किया गया है। हालांकि, यह अभी खतरे के निशान से बहुत नीचे है। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर पिछले 24 घंटों में 0.44 मीटर, छतनाग में 0.76 मीटर और

छतनाग में 0.83 मीटर की बढ़ोत्तरी हुई है।सोमवार को दोनों नदियों के जलस्तर के बढ़ने की रफ्तार कम हुई है।

दोनों ही नदियां एक-एक सेमी की रफ्तार से बढ़ रही हैं। जबकि, छतनाग में यह बढ़ोत्तरी थोड़ी ज्यादा हुई है। छतनाग में गंगा ढाई सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं। सिंचाई विभाग के अफसरों के मुताबिक जलस्तर में भारी बढ़ोत्तरी होने से गंगा का पूरा कछारी इलाका जलमगन है। दारागंज, झूंसी सहित आसपास के इलाकों में कटान हो रही है। हालांकि, इससे अभी कोई खतरे की बात नहीं कही जा रही है।

छ वर्षीय बालिक की हत्या को लेकर पुलिस ने किया खुलासा

लालापुर। विगत 27 जुलाई को घर से लापता छ वर्षीय बालिका और 30 जुलाई की रात नहर में उतरती मिली लाश मामले का सोमवार के दिन पुलिस ने पर्दा फास कर दिया। बालिका की हत्या करने वाला आरोपी पड़ोस का ही निकला । पुलिस ने आरोपी को पकड़ अपहरण ,हत्या की धारा में केस दर्ज कर जेल भेज दिया ।लालापुर थाना क्षेत्र के सेमरी तरहार गांव निवासी मुकेश उर्फ वीरेंद्र हरिजन की छ वर्षीय पुत्री मोहिनी विगत 27 जुलाई की शाम अचानक गायब हो गई थी । मामले में मुकेश ने लालापुर थाने में तहरीर देकर गुमसुदगी दर्ज कराई थी । बालिका के गुम होने की बात से स्थानीय पुलिस भी परेशान थी और उसकी तलाश में लगी रही । इधर 30 जुलाई की रात बारा थाना क्षेत्र के भोंडी नहर में कपड़े में लिपटी लाश मिली ।जिसकी सूचना लालापुर एसओ वृंदावन राय को हुई तो बालिका के परिजनों को लेकर लाश मिलने वाले स्थान पर पहुंचे तो परिजनों ने मोहिनी के रूप में पहचान की । पुलिस ने आनन फानन में लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवमय रहा नगर

शिव मंदिरों पर गूंजता रहा हर हर महादेव

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज/भदोही। सावन के दूसरे सोमवार को नगर के पांडव कालीन बाबा तिलेश्वर नाथ महादेव पर भक्तों की भारी भीड़ लगी रही हर हर बम बम और हर हर महादेव से वातावरण शिवमय बना रहा।

प्राचीन बाबा बड़े शिव मंदिर पर शिव भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। मंदिर का पूरा परिसर शिवमय रहा। भक्तों के हर हर बम बम के नारे से गुंजायमान रहा। श्रावण मास शुरू होते ही जहां भक्तों में शिव भक्ति की भावना जाग उठती है वही सावन के दूसरे सोमवार को भी नगर शिवमय हो गया।

सुबह से ही बाबा भोलेनाथ के दर्शन और पूजन के लिए भक्तों की कतार लगी रही। भारी संख्या में महिलाओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया, वहीं पर कांवरियों द्वारा भी भगवान शिव को जल चढ़ाया गया। इसी तरह गोपेश्वर महादेव, कबूतरनाथ मंदिर, सिद्धेश्वरनाथ महादेव मंदिर पर भक्तों की भीड़ रही। जहां पर जलाभिषेक करने के लिए दूर-दूर के गांव से आए महिला पुरुष भक्तों का तांता लगा रहा।

सावन में सोमवार को भगवान शिव व मंगलवार को माता पार्वती की पूजा का है विधानः स्वामी महेशाश्रम

प्रयागराज। नागेश्वर धाम श्री दंडी स्वामी आश्रम में अखिल भारतीय दंडी सन्यासी परिषद के संरक्षक जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम ने दूसरे सोमवार पर अनुराग दर्शन संवाददाता को बताया की हिंदू कैलेंडर में सावन या श्रावण पांचवां महीना है। भगवान शिव के सावन मास में ही जन्माष्टमी, तीज और रक्षा बंधन जैसे हिंदू त्यौहार मनाए जाते हैं। इसके अलावा प्राचीन हिंदू शास्त्रों के अनुसार सावन का महीना हिंदू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक भगवान शिव की पूजा ही प्रधान है। स्वामी महेशाश्रम ने कहा कि सावन सोमवार के दिन जहां हिंदू भक्त पूरे दिन उपवास रखते हैं वहीं सावन के पूरे महीने में शिव भक्ति के साथ ही प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव की पूजा करके उनके दिव्य आशीर्वाद की प्राप्ति की कामना करते हैं। स्वामी महेशाश्रम ने बताया कि हिंदू धर्म में श्रावण का पूरा महीना भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा के लिए समर्पित है। यूं तो साल का हर सोमवार भगवान शिव की पूजा के लिए खास माना जाता है।

करछना तराई के गांवो में बाढ़ का पानी मार्ग पर आ जाने से लोगों ने लिया नाव का सहारा

गांव के लोग पलायन करने को मजबूर, प्रशासनिक अधिकारी बेखबर

अखंड भारत संदेश

करछना। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही मानसूनी बरसात से विभिनन नदियां उफान पर है। यमुना पार क्षेत्र में भी गंगा, यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा । जिससे जुड़े टोंस नदी के जलस्तर में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। जिससे क्षेत्र के कुछ मार्गों पर बाढ़ का पानी आ गया है।

तो कुछ पर बाढ़ का खतरा मडरा रहा है । रविवार को टोंस नदी के जलस्तर में तेजी के साथ बढ़ोतरी देखने को मिली। जिससे करछना क्षेत्र के कचरी- पनासा मार्ग पर बाढ़ का पानी आ गया और लोगों को आवागमन करने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। देहली गांव के ग्रामीण मुंशीलाल यादव, साहब लाल निषाद, बबलू यादव,ने बताया कि हर 3 वर्ष में बाढ़ आने का

खतरा रहता है। और लोगों को अपने घरों को छोड़कर पलायन करना पड़ता है। इस वर्ष भी बाढ़ आने का तीसरा वर्ष है। कयास यही लगाया जा रहा है कि जिस तरह पिछले दो दिनों में नदियों के जलस्तर में तेजी के साथ वृद्धि दर्ज की गई है । अगर इसी तरह कुछ दिन और बढ़ता है तो निश्चित रूप से क्षेत्र के कटका, देहली, पनासा, मेडरा, हथसरा , बबुरा, लटकहा, ताला, भगनपुर आदि निचले इलाके में रहने वाले ग्रामीणों के घरों तक पानी पहुंच सकता है। और लोगों को अपने घरों को छोड़कर पलायन करना पड़ सकता है। हालांकि सोमवार को लगातार बढ़ रहे टोंस नदी के जलस्तर में स्थिरता रही ।

प्रयागराज की रेत से 58 दिन में निकले 356 शव, नगर निगम ने कराया दाह संस्कार

प्रयागराज। कोरोना काल में तीर्थराज प्रयागराज की रेत में दफनाए गए शव गंगा का पानी बढ़ने के साथ बाहर आने लगे हैं। यहां फाफामऊ घाट के किनारे कटान धंसने से पिछले 58 दिनों में बाहर आ गए 356 शवों का नगर निगम ने दाह संस्कार कराया है।नगर निगम अभियंता आरके मिश्र ने बताया कि बारिश शुरू होने से फाफामऊ घाट के किनारे कई स्थानों पर कटान होने से रेत में दफनाए गये शव दिखने पर नगर निगम उनका अंतिम संस्कार करा रहा है। पिछले 58 दिनों में 356 शव फाफामऊ घाट के किनारे कटान के कारण मिले हैं। इसका दाह संस्कार नगर निगम ने करवाया है। उन्होंने बताया कि रविवार को 11 शवों को देर शाम तक गंगा घाट पर दाह संस्कार कराया गया। उन्होंने बताया कि नगर निगम की टीम लगातार चौकसी बरत रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अन्तर्गत निःशुल्क खाद्यान्न वितरण के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अन्तर्गत 05 अगस्त, 2021 को किये जाने वाले निःशुल्क खाद्यानन वितरण की तैयारियों के सम्बंध में जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। योजना के तहत आच्छादित लाभार्थियों को 05 किग्रा0 प्रति व्यक्ति खाद्यानन का वितरण किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पर्यवेक्षणीय अधिकारी, सेक्टर आफिसर एवं नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गयी है। उन्होंने संभागीय खाद्य नियंत्रक एवं जिला खाद्ययय वितरण अधिकारी को निर्देशित किया कि खाद्यानन का उठान समय से करके उचित दर की दुकानों को आवंटन के अनुरूप खाद्यानन 5 अगस्त से पूर्व उपलब्ध करा दिया जाये।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक उचित दर दुकान पर कम से कम 100 लाभार्थिन्यों को विधिवत लिखित रूप में आमंत्रित करेंगे तथा शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये बैग में खाद्यानन लाभार्थियों को जनप्रतिनिधियों के द्वारा वितरित किया जायेगा, इसके लिए सम्बंधित अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधिगणों को आमंत्रित करना सुनिश्चित किया जाये। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ग्राम स्तरीय कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की भी सहायता ली जाये। ऐसी उचित दर दुकानों पर जहां पर्याप्त स्थान नहीं है, वहां आस-पास की खाली समुचित जगह पर टेंट आदि लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये, वहां पर पीने के पानी आदि समुचित व्यवस्था की जाये। खाद्यानन वितरण स्थानों पर कोविड प्रोटोकॉल पालन कराते हुए प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन को सुनने के लिए टीबी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

हर्ष फायरिंग बनी बवाल-ए-जान

बारात विदाई के दौरान ताबड़तोड़ हर्ष फायरिंग, युवक का वीडियो वायरल

वीडियो वायरल होने के बाद नैनी पुलिस की कुंभकरणीय नींद खुली, आरोपी युवक को किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

नैनी। प्रयागराज में हर्ष फायरिंग और असलहों के प्रदर्शन का शौक आज के युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। प्रयागराज पुलिस की ओर से की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई के बावजूद इस तरह के फोटो-वीडियो आए दिन वायरल होते रहते हैं। ताजा वाकया यमुनापार के नैनी कोतवाली क्षेत्र का है। जहां एक युवक एक नाली बंदूक से ताबड़तोड़ हर्ष फायरिंग करते हुए दिख रहा है। रविवार देर शाम को यह वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस भी हरकत में आ गई और फायरिंग करने वाले की खोजबीन शुरू कर दी और कुछ देर में उसे पकड़ भी लिया गया।

महीने भर में दर्जन भर मामले आ चुके हैं सामने

नैनी। प्रयागराज में पिछले एक महीने के दौरान करीब एक दर्जन ऐसे फोटो व वीडियो वायरल हुए। जिसमें फायरिंग एवं असलहों का प्रदर्शन हो रहा था। कई वीडियो पुराने भी निकले, फिर भी पुलिस ने कार्रवाई की। इस तरह के सबसे ज्यादा प्रकरण प्रयागराज के पूरामुफ्ती, धूमनगंज, नवाबगंज थाना क्षेत्र में सामने आए। ताजा वाकया नैनी कोतवाली के भंडरा गांव का है। वीडियो वायरल होने पर नई ने कोतवाली पुलिस के होश उड़ गए और आनन-फानन में उसे गिरफ्तार करने ने कोतवाली उठा लाए जहां उसके खिलाफ विभिनन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। हर्ष फायरिंग करने वाले आरोपी का नाम मोहम्मद इजराइल बताया जा रहा है। वह एक शादी समारोह में हर्ष फायिरंग कर रहा था।

26 सेकेंड के वीडियो में तीन से चार राउंड की गई फायरिंग

नैनी। करीब 26 सेकेंड के इस वायरल वीडियो में दिख रहा हरे रंग का शर्ट पहने एक युवक सिंगल बैरल बंदूक लेकर आता है और ताबड़तोड़ एक-एक करके तीन से चार राउंड फायर करता है। उस दौरान उसके सामने कुछ दूरी पर महिलाएं, लड़कियां एवं बच्चे खड़ होकर तमाशा देख रहे हैं। यह वीडियो मुस्लिम परिवार में आयोजित शादी समारोह का बताया जा रहा है। एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ने बताया कि वीडियो संज्ञान में आने के बाद नैनी पुलिस ने जांच की और फिर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार भी कर लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।

प्रधान संघ कोरांव की बैठक आयोजित

प्रधानों ने पंचायत सहायक और विभिन्न समस्याओं को लेकर सरकार के प्रति जताई नाराजगी

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। कोरांव विकास खंड के ग्राम प्रधान संगठन ने सरकार की कुछ मनमानी और प्रधानों की उपेछाओं के प्रति अपनी नाराजगी जताई। और रणनीति के तहत जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन को बात कही।

प्रधान संघ के अध्यक्ष रामानुज यादव ने कहा कि पंचायत सहायक की भर्ती में सरकार ने अनुभवी लोगों को बरीयता न देकर सीधे हाई स्कूल इंटर की हाई मेरिट वालों को वरीयता देना तथा उनके मानदेय या वेतन सीधे ग्राम पंचायत निधि से दिए जाने की ब्यवस्था को अनुचित बताया है। उन्होंने कहा कि ग्राम के फंड से होने वाले विकास की धन राशि को मानदेय सहायकों को दिलाकर ग्राम के विकास को पीछे किए जाने की साजिश है। यदि वेतन सहायकों को देना है तो सरकार सीधे उन्हे वेतन दे या निधि में उनको वेतन के लिए हर माह बजट दे। श्री यादव ने कहा कि जिन ग्राम के मिनी चीफ मिनिस्टर यानी प्रधान के अधीन सचिव या रोजगार सेवक या सफाई कर्मी अथवा पंचायत सहायक है उनके वेतन अधिक और प्रधान के वेतन मात्र 3500 रूपए हों यह ग्राम प्रधानों का सरकारी अपमान है। उन्होंने कहा कि प्रधान का वेतन सचिव से अधिक होना चाहिए। इस निमित्त जिले और प्रदेश संगठन से वार्ता कर एक रणनीति के तहत आंदोलन की जरूरत दिख रही। साथ ही ब्लाक मुख्यालय पर प्रधानों के लिए एक बैठक हाल जनप्रतिनिधियों के माध्यम से बनवाने की पहल की जा रही है। जिससे प्रधानों को मुख्यालय पर भटकना न पड़े। इसी प्रकार 6 अगस्त को ब्लाक प्रांगण में ब्लाक प्रमुख व छेत्र पंचायत सदस्यों एवम प्रधान संघ का अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमे जिले और प्रदेश के संघ के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। उसमें प्रधान बन्धु सहयोग के साथ भाग लेने की अपील भी किया। बैठक में प्रधान संघ के पदाधिकारियों व समस्त ग्राम प्रधान बन्धुओं से समय बारह बजे दिन पहुंचने की अपील की गई।

विवाहिता की हत्या में जेठानी की जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज। दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मार डालने की आरोपित जेठानी की जमानत अर्जी सत्र न्यायालय ने खारिज कर दी है। यह आदेश अपर सेशन जज संजय कुमार शुक्ल ने एडीजीसी अखिलेश सिंह बिसेन एवं आरोपित आशा देवी व बजराही के जमानत प्रार्थना पत्र पर उनके अधिवक्ता के तर्कों को सुन कर दिया। अदालत ने कहा कि प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार विवाहिता को दहेज के लिए मजबूर करना, उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना, मारना पीटना, जिसके परिणाम स्वरूप मृत्यु हो गई है, मामले की परिस्थितियों अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत का आधार पर्याप्त नहीं है।सोरांव थाने पर रामसूरत ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी लड़की सविता की शादी दिसंबर 2015 में गुलाब निवासी रइया के साथ हुई थी। पति के उकसाने पर जेठ जसवंत व जय सिंह ,जेठानी सरीला व आशा देवी एवं बजराही मारते-पीटते थे। सविता ने 11 अप्रैल को फोन कर बताया कि पिताजी पैसा लेकर नहीं आओगे तो यह लोग मार डालेंगे।

कुएं में डूबकर दो मासूमों की मौत, खेलते समय हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। यमुनापार के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार को दो बच्चे कुएं में डूबकर काल-कवलित हो गए। यह हादसा खेल के दौरान हुआ। जिस समय यह दुर्घटना हुई, उस समय आसपास कोई बड़ा नहीं था। जानकारी होने पर लोगों ने प्रयास कर दोनों बच्चों को कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

यह हादसा शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के पहाड़ी कला गांव में हुआ। जानकारी के मुताबिक पहाड़ी कला निवासी रामजीत आदिवासी पूरे परिवार के साथ धान की रोपाई करने के लिए खेत पर गए थे। जबकि घर के राम जी का लड़का अमन और भाई श्याम जी का लड़का दीपक घर पर था। बताया जाता है कि तीन और चार वर्षीय दोनों बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। इसी दौरान बाहर स्थित कुएं में जा गिरे और किसी को इसकी कानों-कान खबर नहीं लग पाई।इसी दौरान घर में दूसरे कमरे में रही बुआ मीना और छोटकई और पड़ोस के लोग रामजी के घर की तरफ गए, जहां दोनों बच्चे नजर नहीं आए। इस पर मामले की जानकारी रामजी व उनके परिवारीजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर आए और खोजबीन शुरू हुई। इसी दौरान किसी ने कुएं में झांका तो पता चला कि दोनों का शव कुएं में उतराया हुआथा।इसके बाद आनन-फानन में दोनों बच्चों का शव कुएं से निकाला गया। इस हादसे की जानकारी होते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। अबोध बच्चों की मौत से पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि राम जी के दो लड़के थे। जबकि श्याम जी के एक लड़का और एक लड़की जुड़वा पैदा हुए थे जिसमें से लड़की की मौत उसी समय हो गई थी। श्याम जी इस समय अपनी पतनी के साथ सूरत में है।

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को पडिला पाण्डेश्वर नाथ धाम में भक्तों ने किये महाकाल के दर्शन

अखंड भारत संदेश

थरवई /प्रयागराज। प्राचीन काल से ही पडिला में स्थित पाण्डेश्वर धाम का आस्था व विश्वास का आध्यात्मिक केन्द्र माना जाता है।

यह प्रयागराज फाफामऊ से लगभग 3 किमी दूरी पर व थरवई थाना क्षेत्र के अंतर्गत पडिला मे स्थित है।यू पी सरकार ने कोविड 19 प्रोटोकाल के दृष्टिगत अनुपालन करते हुए श्रावण मास में श्रद्धालुओं कावांरियो को दर्शन करने का फरमान जारी किया है।आज श्रावण मास के दूसरे सोमवार को पाण्डेश्वर धाम पडिला मे शिव भक्तों ने महाकाल भोले बाबा को जलाभिषेक करके श्रद्धाभाव से पूजा अर्चना की।तथा मन्दिर प्रांगण सुबह से लेकर शाम तक बोलबम के नारो से गूँजता रहा।सुरक्षा व कोविड19 की दृष्टिगत थरवई थाना प्रभारी मय हमराही फोर्स के साथ श्रद्धालुओं को महाकालेश्वर के दर्शन मे अहम भूमिका निभाने के लिए तत्पर रहे।महिला व जान माल सुरक्षा की दृष्टिगत मन्दिर प्रांगण व मेले में पुलिस के जवान तैनात रहे। तथा चार पहिया वाहनों को रूट डायवर्जन करके दूसरी तरफ सड़क से आवागमन को चालू किया गया था। जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो सके।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

सावन के दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओ ने किया जलाभिषेक

भयहरणनाथ धाम में सर्व समाज के कल्याण हेतु हुआ रुद्राभिषेक

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन के दूसरे सोमवार को शिव भक्तों द्वारा सुबह से ही जलाभिषेक हुआ जो दोपहर तक जारी रहा। पुलिस व कार्यकर्ताओं की उत्तम सुव्यवस्था रही। मुख्य मंदिर सहित सभी मंदिरों के पुजारियों ने सुबह चार बजे पूजन का जनता के दर्शनार्थ मंदिरों के कपाट खोल दिये। सुबह से ही शिव भक्तों का आगमन होता रहा।

धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि थानाध्यक्ष जेठवारा रवींद्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन

में चैकी इंचार्ज राज्याभिषेक मिश्र द्वारा आवश्यक पुलिस बल व महिला पुलिस के साथ सभी व्यवस्थाओं पर निगाह रखते हुए जरूरी सहयोग प्रदान किया गया। कार्यालय प्रभारी कमलेश मिश्र ने कंट्रोल रूम व कार्यालय सहायक दुखी राम ने प्रशासनिक कार्यालय में अपनी जिम्मेदारी निभाई। स्वच्छता प्रभारी नीरज मिश्र ने सफाई पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रमुख भूमिका निभाने वालो में पुजारी भोला नाथ तिवारी, पुजारी राम सुंदर पटेल, हीरा लाल व मेला उप समिति से प्रदीप सिंह धोनू आदि ने अपनी भूमिका निभाई। उधर भयहरणनाथ धाम में विद्वत परिषद द्वारा सर्व समाज के कल्याण हेतु रविवार को सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। रुद्राभिषेक क्षेत्रीय विद्वान आचार्यो के द्वारा संपादित हुई। विद्वत परिषद द्वारा इस मौके पर कोरोना के निवारणार्थ शिव यज्ञ का आयोजन भी किया गया, जिसमें धाम के महासचिव समाज शेखर सहित कई प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर आचार्य मयंक शुक्ल, पंडित श्रवण शास्त्री, पंडित अशोक मिश्र, पंडित अभिनव शास्त्री व आचार्य अंजनी दुबे द्वारा कर्मकांड का विधिवत संचालन किया गया।

हर हर महादेव के नारों से गूंजे शिवालय

प्रतापगढ़। सावन महीने के दूसरे सोमवार को बाबा गौरी शंकर धाम में श्रद्धालुओ द्वारा भगवान शिव की पूजा-अर्चन किया गया। शिव भक्ति के रंग में शिवालय रंग गई। बाबा गौरी शंकर धाम में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लाइन लगाकर बारी बारी से शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। बता दें कि श्रावण मास भगवान भोलेनाथ का सबसे प्रिय माह माना गया है। शास्त्रों के अनुसार सावन के दिनों में जलाभिषेक अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा फलदाई माना जाता है। मंदिर के पुजारी टोनी बाबा ने बताया कि श्रावण माह में शिव आराधना करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। जलाभिषेक कर भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न कर पुण्य के भागी बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का अभ्यर्थी उठाएं लाभः उपायुक्त

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चैरसिया ने बताया है कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अन्तर्गत बेरोजगार एवं हाईस्कूल उत्तीर्ण युवक/युवतियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु (उद्योग हेतु अधिकतम रूपये 25 लाख एवं सेवा क्षेत्र में 10 लाख तक) ऋण बैंकों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है जिसमें 25 प्रतिशत अनुदान प्रदान जायेगा। आवेदन किये जाने हेतु हाईस्कूल मार्कशीट, आधार कार्ड, फोटो, निवास प्रमाण पत्र, शपथ पत्र पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

आवेदक की आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। इसी क्रम में उन्होने यह भी बताया है कि एक जनपद एक उत्पाद (ओ0डी0ओ0पी0) वित्त पोषण योजनान्तर्गत जिसमें शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नही है तथा आयु कम से कम 18 वर्ष पूर्ण हो, के भी आवेदन पत्र वेबसाइट पर करना होगा। इसमें 150 लाख से अधिक तक के ऋण ऑवला उत्पाद हेतु प्राप्त किये जा सकते है तथा 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक अधिकतम 20 लाख तक अनुदान का भी प्रावधान है। दोनो योजनाओं हेतु आनलाइन आवेदन 16 अगस्त 2021 तक किये जा सकते है। योजनाओं के लाभ हेतु अभ्यर्थी आनलाइन आवेदन पत्र वेबसाइट पर करें।

पं0 मुनीश्वरदत्त की जयंती की पूर्व संध्या पर जगमग हुई उनकी प्रतिमा

श्रद्धांजलि देने पहुंचे प्रमोद तिवारी व अन्य कांग्रेसी

प्रतापगढ़। शिक्षा जगत के मालवीय कहे जाने वाले प्रदेश के पूर्व मंत्री पं0 मुनीश्वरदत्त उपाध्याय की जयंती की पूर्व संध्या पर टेड्डजरी चैराहे पर लगी पंडित मुनीश्वरदत्त उपाध्याय की प्रतिमा जहां मोमबत्ती व दीपों से जगमगा उठी, वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता व सीडब्लूसी मेम्बर प्रमोद तिवारी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर प्रमोद तिवारी ने कहा कि पंडित मुनीश्वरदत्त उपाध्याय के आदर्शों पर चलना ही सही श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता पं0 श्याम किशोर शुक्ल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा0 लालजी त्रिपाठी, युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी, पीसीसी सदस्य इरफान अली, तिलक इंटर कालेज के अध्यक्ष तथा पीसीसी सदस्य प्रशांत शुक्ल, तिलक इंटर कालेज के प्रधानाचार्य प्रमोद तिवारी, पट्टी डिग्री कालेज के प्रधानाचार्य राम भजन अग्रहरि, इंटर कालेज साहबगंज के

प्रधानाचार्य श्याम शंकर शुक्ल श्याम, तिलक इंटर कालेज के प्रवक्ता संतोष पाण्डेय, शीतलागंज इंटर कालेज के प्रधानाचार्य उमेश चंद्र त्रिपाठी, गड़वारा इंटर कालेज के प्रधानाचार्य विजय दुबे, शिक्षक महेन्द्र त्रिपाठी, गिरजाशंकर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और कांग्रेस के नेता मौजूद रहे।

कल आएंगी राज्य महिला आयोग की सदस्या

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या सुमन सिंह 04 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे लोक निर्माण विभाग प्रतापगढ़ के गेस्ट हाउस में आयेंगी जहां पर वह उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना जागरूकता शिविर एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने हेतु समीक्षा एवं महिला जनसुनवाई करेंगी। जनपद की पीड़ित महिलायें अपनी समस्याओं को लेकर पूर्वान्ह 11 बजे लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निस्तारण करा सकती है।

शहीद चंदलोक तिवारी के घर पहुंचकर विधायक ने दी 51 हजार की आर्थिक सहायता

शहीद के नाम पर बनेगा प्रवेश द्वार व घर तक होगी इंटरलाकिंग सड़क

प्रतापगढ़। माँ भारती की सेवा में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के सम्यक निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहूति देने वाले रानीगंज विधान सभा क्षेत्र के सराय नानकार निवासी अमर सपूत चंद्रलोक तिवारी की शहादत पर विधायक रानीगंज अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने सोमवार को उनके निज निवास पहुंच कर दुःखित परिजनों से अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने शहीद के पिता विजय नारायण तिवारी को 51000 की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए शहीद की स्मृति में एक प्रवेश द्वार तथा घर तक 200 मीटर इंटरलॉकिंग मार्ग का निर्माण का कराए जाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि चन्द्रलोक तिवारी ने देश की सेवा में अपने प्राणों की आहूति देकर क्षेत्र ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण जनपद एवं प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपने साथ उपस्थित उप जिलाधिकारी

रानीगंज ज्ञानेंद्र विक्रम को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) गोयल एवं अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी से हुई वार्ता के क्रम में देश सेवा में अपने प्राणों की आहूति देने वाले क्षेत्र के वीर सपूत चंद्रलोक तिवारी को शहीद का दर्जा दिलाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही तथा परिजनों की अन्य त्वरित आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु निर्देशित किया। इस दौरान प्रमुख शिवगढ़ सत्यम ओझा, एसडीएम ज्ञानेंद्र विक्रम, शिवम ओझा, भाजपा नेता अंशुमान सिंह, के.के.शर्मा, काजू शर्मा, राकेश पाण्डेय, दीपू शुक्ल, भारत सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

रितेश पाल के घर पहुंचे प्रमोद तिवारी, बंधाया ढांढस

प्रतापगढ़। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के स्थाई सदस्य एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी सोमवार को प्रतापगढ़ जनपद के माटी के लाल शहीद रितेश पाल के पैतृक आवास पूरे भैया, पाल बस्ती पहुँचकर शहीद रितेश पाल के चित्र पर माला पहनाकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धान्जलि अर्पित किए। प्रमोद तिवारी ने ढांढस बंधाते हुए कहा कि शहीद रितेश पाल की शहादत जाया नहीं जाएगी। देश की आन बान शान शहीद रितेश पाल जैसे बहादुर देशभक्तों पर कायम है। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. लालजी त्रिपाठी, पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस डॉ. नीरज त्रिपाठी, त्रिपाठी, शहर प्रभारी इरफान अली, कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शुक्ला, ब्लाक प्रमुख शादीपुर अशोक सिंह बबलू, ब्लाक प्रमुख लालगंज लाल देव सिंह, सदर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनीष सिंह, कांग्रेस सेवा दल के उपाध्यक्ष राम रतन तिवारी, कांग्रेस सेवा दल के महासचिव अजय मौर्या, नूर आलम, विकास शुक्ला ,सलमान खान, अभय प्रताप सिंह,सुनील शुक्ला, शुभम शुक्ला, रामचंद्र पटेल, विवेक शुक्ला, अंकित तिवारी, मोहित तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश का ब्राहमण भाजपा के साथः भराला

कुण्डा में उतारा जाएगा भाजपा का मजबूत प्रत्याशी

प्रतापगढ़। यूपी के राज्य मंत्री सुनील भराला ने कहा कि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया के खिलाफ भाजपा इस बार मजबूत प्रत्याशी उतरेगी। सुनील भराला सोमवार को लोक निर्माण अतिथि गृह में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राजा भइया के खिलाफ आगामी विधानसभा चुनाव में कुंडा से बड़े नेता को चुनावी मैदान में उतारा जायेगा। सुनील

भराला ने कहा कि ब्राम्हणों को मठ, मंदिर, वेदपाठ कर्मकांड की अवश्यकता है और इसके लिए राम मंदिर, काशी कॉरिडोर, वेद पुराण की चिंता भाजपा को है और भाजपा चिंता भी करती है। सुनील भराला ने कहा कि साढ़े सोलह फीसदी ब्राह्मण भाजपा के साथ हैं और वो राष्ट्रवादी विचार धारा के लोग है। उन्होंने कहा कि तिलक तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार वालों को ब्राम्हण बिल्कुल पसंद नही करती। उन्होंने दावा भी किया कि भाजपा यूपी 2022 के विधानसभा चुनाव में 325 सीटों पर जीत का परचम लहरायेगी।

भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता

बाघराय, प्रतापगढ़। भाजपा की नीतियों एवं उपलब्धियों को सभी कार्यकर्ता गांव गांव जाकर सभी लोगों से बताएं एवं जन समस्याओं को सुनकर उसे निस्तारित कराएं। यह बातें बाघराय बारौं में भाजपा मंडल अध्यक्ष सूर्यमणि के घर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच राज्य मंत्री सुनील भराला ने कही। उन्होंने कहा कि सडक विजली की समस्याएं दूर होगी। सडक का प्रस्ताव दीजिए, सड़क बनेगी। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, जटाशंकर त्रिपाठी, जगदीश मिश्रा, शुभम तिवारी, राघवेंद्र, प्रमोद तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

9 देसी जिंदा बम के साथ युवक गिरफ्तार

प्रतापगढ़। रानीगंज के जरियारी गांव के पास 9 देसी जिंदा बम संग संदिग्ध पकड़ा गया। बता दें कि पंचायत चुनाव के बाद लगातार रानीगंज में गोलाबारी व बमबाजी की घटना में लोग घायल हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक बीजेमऊ निवासी विकास मिश्र, हरिओम मिश्र और अभिषेक पांडेय एक पल्सर बाइक से दिलीपपुर की ओर जा रहे थे। जरियारी के पास पुलिस ने रोका तो तीनों भागने लगे। पुलिस विकास को पकड़ ली और उसके साथी भाग गए। उनके पास से 9 देशी बम बरामद हुआ। पुलिस विकास और पल्सर को थाने पकड़ लाई है।

भाजयुमो ने महिला हाकी टीम को किया चीयर

प्रतापगढ़। टोक्यो ओलम्पिक महिला व पुरुष हाकी टीम के सेमीफाइनल में पहुँचने पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने हाकी खिलाड़ियों के साथ चीयर किया। राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर पूरे देश में चलाए जा रहे चीयर फॉर इंडिया के कार्यक्रम के अंतर्गत भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता के नेतृत्व में हाकी खिलाड़ियों ने जीआईसी के खेल मैदान पर ओलम्पिक में सेमीफाइनल में पहुँची पुरुष और महिला हाकी टीम को चीयर किया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने भारतीय महिला हॉकी टीम के टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचने पर खुशी जताई।

उन्होंने कहा इंडिया के खिलाड़ी टोक्यो ओलिंपिक में अनेकों खेलों में प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी संदीप मिश्रा, सदर मंडल महामंत्री विपिन सिंह, मिलन धनगर, मुनन तिवारी, हाकी कोच खुर्शीद अली, मोहम्मद जशीम, गणेश शर्मा, मृत्युंजय प्रताप सिंह, अयान, दानिश, जैनब खुर्शीद, रुद्राक्ष शुक्ला, जैनब हसन, राहुल मिश्रा, अर्श, आरिश, अलाउद्दीन, इरफान आदि खिलाड़ी उपस्थित रहे।

बीबीएफजी का टीकाकरण कैम्प आज

प्रतापगढ़। कोरोना हारेगा इसी संकल्प के साथ रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल और बच्चा बैंक फ्रेंडस ग्रुप का टीकाकरण कैम्प का अभियान निर्बाध रूप से चल रहा है। इसी क्रम में तीन अगस्त को ग्रुप के सहयोग से टीका कैम्प दिव्यांग स्कूल के सामने डेंटल केयर सेंटर, आदर्श नगर निकट भंगवा चुंगी में लगेगा। इस संबंध में ग्रुप की एक बैठक सोमवार को हुई। जिसमें टीकाकरण अभियान को सफल बनाने की रणनीति बनी। बैठक में डॉक्टर अनुराग मिश्रा, अश्विनी केसरवानी, सतेन्द्र मोदनवाल, रवि सिन्हा, वीके तिवारी, मोहम्मद अनीश, विनोद लखमानी, एसपी पांडेय, दिग्विजय सिंह, ददन, उमा शंकर, वीरेंद्र समेत कई सहयोगी मौजूद थे। संचालन राजेश कुमार ने किया।

शहीद चंद्रलोक तिवारी को भी मिली सभी सुविधाएंः छविनाथ

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव ने कहा कि शहीदत रितेश पाल की तरह शहीद चंद्रलोक तिवारी को सरकार द्वारा उनकी कर्तव्य परायणता को देखते हुए शहीद का दर्जा देकर सम्मानित करने का काम करें तथा उनके शोक संतृप्त परिजनों को वह सभी सुविधाएं दें जो एक शहीद के परिवार को दिया जाता है।

समाजवादी पार्टी यह मांग करती है कि अपनी ड्यूटी पर तैनात सभी सैनिकों की आकस्मिक मृत्यु पर उनको शहीद का दर्जा देने का कार्य करें। इस अवसर पर पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा, पूर्व विधायक श्याद अली, पूर्व जिलाध्यक्ष भइय्या राम पटेल, जिला उपाध्यक्ष इरशाद सिद्दीकी, आशुतोष पाण्डेय, शान्ति सिंह, राजू यादव, प्रमोद पटेल, विजय पाल, राकेश सरोज, संतोष पटेल, प्रदीप सरोज सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

पड़ोसियों ने पति-पत्नी को पीटा

बाघराय, प्रतापगढ़। बाघराय के नेवढ़िया गांव निवासी अरविंद गौतम (29) वर्ष एवं उसकी पतनै अर्चना देवी (24) वर्ष अपने घर के सामने बैठे थे तभी पुरानी रंजिशवश पड़ोसियों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर पति पतनै को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अरविंद कुमार का हाथ टूट गया है। पति अरविंद व पतनै का इलाज सीएचसी बाघराय में होने के बाद पति अरविंद को डाक्टरों ने इलाज के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। अरविंद ने थाने में नामजद तहरीर दी है।

एलाटमेंट लेटर गायब होने की कोतवाली में दी गई तहरीर

प्रतापगढ़। न्यू एंजिल्स की निदेशिका तथा एंजिल्स इंटर कालेज की प्रधानाचार्या डा0 शाहिदा ने बताया कि उन्होंने सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ में अपने दो बेटों आदिल शाहिद और अयाज शाहिद के नाम पर एक फ्लैट नम्बर-403 सन 2017 में खरीदा था जिसकी रजिस्ट्री संख्या-8885 और पजेशन लेटर तथा अन्य दस्तावेज मेरे पास है। उन्होंने कहा कि इसका एलाटमेंट लेटर लखनऊ जाते समय रास्ते में कहीं खो गया है। उन्होंने इसकी सूचना नगर कोतवाली में दी है।

कांग्रेस नगर पंचायत अध्यक्षों का हुआ सम्मान समारोह

जिला कांग्रेस कमेटी पर हुआ आयोजन

प्रतापगढ़। जिला अध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी व उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी सचिव व जनपद प्रतापगढ़ प्रभारी जय करन वर्मा के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी इंदिरा भवन पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्षों को सम्मानित किया गया।

समारोह में नगर पंचायत कटरा मेदनीगंज अध्यक्ष मो0 शाहरुख खान, अंतू अध्यक्ष राकेश पासी, पट्टी नगर अध्यक्ष बी0के0सिंह,

सुवंसा अध्यक्ष सुनील पांडेय, कुण्डा अध्यक्ष सुभाष चंद्र साहू को अंगवस्त्रम, डायरी आदि देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्षों को सम्मानित करने के उपरांत उ0प्र0कांग्रेस कमेटी के सचिव व प्रतापगढ़ जनपद प्रभारी जयकरन वर्मा ने कहा कि नगर पंचायतों में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए आप सभी को जिम्मेदारी दी गयी है।

आशा है कि आने वाले दिनों में उक्त नगर पंचायतों में कांग्रेस मजबूती के साथ दिखाई देगी। नवनियुक्त नगर पंचायत अध्यक्षों को जिम्मेदारी सौंपते हुए जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने कहा कि आप सभी अपने दायित्वों का पालन करें और कांग्रेस को ऊंचाइयों पर ले जाने में भागीदार हों। समारोह का संचालन पूर्व सदर प्रत्याशी नीरज तिवारी ने किया। समारोह में डा0 वी0के0सिंह, रोहित शुक्ल, वेदांत तिवारी, इरफान अली, महेंद्र शुक्ल, प्रेम शंकर द्विवेदी, ओम प्रकाश सरोज, चंद्र नाथ शुक्ल, रामरतन तिवारी, सुरेश मिश्र, अब्दुल रहमान, राकेश कुमार शुक्ल, आशुतोष तिवारी, मो0हुजैफ, मनीष सिंह, विपिन सिंह, शिवम मिश्र, डॉ0 अजय सिंह, राम धन यादव, फतेह बहादुर सिंह, यमुना प्रसाद पांडेय सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

शातिर इनामिया बदमाश धराया

प्रतापगढ़। 50 हजार का शातिर इनामिया बदमाश परवेज एसटीएफ प्रयागराज के हत्थे चढ़ गया। पुलिस को चकमा देकर शातिर बदमाश भागने की फिराक में था। मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने गिरफ्तारी की। परवेज की कई महीनों से पुलिस को तलाश थी।

गंगा का कहर, चार गांवों में भूमि का कटान शुरू

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर/सीतामढ़ी। गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से कोनिया क्षेत्र के इटहरा, मवैया थान सिंह, छेछुआ और भुर्रा गांव में गंगा कटान शुरू हो गया है। केंद्रीय जल आयोग के सीतामढ़ी मीटर गेज पर गंगा का जलस्तर 75.210 मीटर तक पहुंच गया है। जबकि खतरे के निशान 80 मीटर है। अब प्रति घंटे एक से दो सेंटीमीटर की वृद्धि हो रही है।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से अति संवेदनशील तीन ओर गंगा से घिरे कोनिया क्षेत्र के चार गंगा तटीय गांव इटहरा, मवैयाथान सिंह, छेछुआ और भुर्रा गांव में धाराएं किसानों की उपजाऊ जमीनों को निगलना शुरू कर दिया है। पुरवा हवा के झोंकों से गंगा में उठने वाली लहरें जमीनों को काटना शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है

कि गंगा में बाढ़ आते ही उनकी उपजाऊ जमीनें गंगा की धारा में विलीन होने लगती हैं। जल स्तर बढ़ने से सीतामढ़ी के पक्की सीढ़ी तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। बाबा धवासा नाथ महादेव मंदिर गंगा घाट की चार पक्की सीढ़ियां पानी में डूब गई हैं। केंद्रीय जल आयोग के सीतामढ़ी कार्यालय से प्राप्त आंकड़े के अनुसार जल स्तर 75.210 मीटर पहुंच गया है। समाजसेवी पंकज मिश्रा, राजन शास्त्री, जिला द्विवेदी, डा.धर्मेन्द्र दूबे, सरकार बहादुर, अमृत लाल पाल आदि ने कटान रोकने की मांग जिलाधिकारी से की है।

कोनिया के छेछुआ और भुर्रा गांव में गंगा कटान को रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने पांच करोड़ रुपये जारी किया था। जिसका जिम्मा बंधी बाढ़ प्रखंड वाराणसी को दिया गया था। कार्यदायी संस्था ने तीन करोड़ रुपये खर्च कर लगभग ढाई किलोमीटर के गंगा तटीय क्षेत्र में आधुनिक तकनीकी वाली जिओ टेक्सटाइल ट्यूब कटर लगा कर छेछुआ और भुर्रा गांव को गंगा कटान से मुक्त का दावा किया, लेकिन कटान रोकने की अगिन परीक्षा में कटान रोधी व्यवस्था पूरी तरह कारगर साबित नहीं दिख रहा है। छेछुआ के किसान हरीलाल यादव ने बताया कि कटान तो शुरू है, लेकिन कटान रोकने की व्यवस्था से कटान वाले एरिया में गंगा की धारा के रफ्तार में कमी आ गई है।

सावन के दूसरे सोमवार को बाबा बड़े शिव पर लगा रहा भक्तों का रेला

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। नगर के प्राचीन बाबा बड़े शिव मंदिर पर सावन के दूसरे सोमवार को देवाधिदेव महादेव का 108 दीपों से आरती उतारी गई। इस साप्ताहिक महाआरती में भारी संख्या में पुरुष महिलाएं शामिल रहे और प्रसाद लेकर पुण्य के भागी बने। वैसे तो भोलेनाथ के मंदिर में प्रतिदिन भारी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है, लेकिन सावन मास में बाबा का महत्व और भी बढ़ जाता है। सावन के दूसरे सोमवार को भोर से ही बाबा का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने वालों की भीड़ मंदिर में लगी रही। वहीं भारी संख्या में दर्शनाथिर्यों के हर हर महादेव बम बम के नारे गूंजते रहे। इस अवसर पर पुजारी सुरेंद्र विश्वकर्मा

के अलावा आचार्य शरद पांडे और शिव परिवार के दीपक मोदनवाल, बाबा लाल जायसवाल, शिव अग्रहरी, कोमल मोदनवाल, संतोष मोदनवाल, राजू यादव, लवी सिंह आदि लोग रहे।

नाजायज तमंचा कारतूस के साथ एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार

औराई। थाना औराई क्षेत्र अन्तर्गत उ0नि0 सरफराज अहमद मय हमराह टीम द्वारा मुखबिरी सूचना के आधार पर अभियुक्त मोनू बिन्द पुत्र नत्थू बिन्द निवासी नरथुआ थाना औराई जनपद भदोही को एक अदद नाजायज तमंचा छर्फैरा रिवाल्वर देशी व एक अदद जिन्दा कारतूस के साथ उसके घर ग्राम नरथुआ से गिरफ्तार कर लिया गया।

दुधिया रोशनी से नहाएगा सीतामढ़ी मंदिर

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। केंद्रीय कारागार आगरा में निरुद्ध ज्ञानपुर विधायक विजय मिश्र ने शुक्रवार को सीजेएम कोर्ट में पेशी के समय धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों संग प्रमुख स्थलों पर 65 हाईमास्ट स्ट्रीट लाइट की संस्तुति की। विधायक प्रतिनिधि ने सोमवार को डीएम और सीडीओ को पत्र दिया। धार्मिक एवं पर्यटन स्थली सीतामढ़ी में शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है। जिसे देखते हुए विधायक विजय मिश्र ने छह हाईमास्ट स्ट्रीट लाइट, कोइरौना बाजार में एक, जंगीगंज तिराहे पर एक, कोइरौना के कलिंजरा मोड़ पर एक, बाबा सेमराधनाथ धाम मंदिर, बाबा बड़े शिव मंदिर, तिलेश्वरनाथ मंदिर, हरिहरनाथ मंदिर में एक-एक, ज्ञानपुर के दुगागंज तिराहा, ज्ञानपुर के बड़ाडीह तिराहा, पूरेरजा चौराहा, सीतामढ़ी, रामपुर समेत सभी गंगा घाट पर एक-एक, अमिलहरा बिंद बस्ती चौराहा, घोरहां बिंद बस्ती चौराहा, गुलौरी, गिराई-दानूपुर मार्ग, दानूपुर बाजार तिराहा सहित 65 स्थानों पर हाईमास्ट स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए संस्तुति की। जिस पर करीब एक करोड़ की रकम खर्च होगी। विधायक के प्रतिनिधि राजितराम यादव ने बताया कि डीएम और सीडीओ को पत्र दिया गया है। जल्द ही सभी स्थानों पर एक से लेकर डेढ़ लाख की लागत से लगने वाले हाईमास्ट लग जाएंगे।

बोलेरो की टक्कर से ऑटो चालक व खलासी घायल

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। ऊँज थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गोधना मोड़ के पास तेज रफ्तार बोलोरो की टक्कर में दो के घायल होने का समाचार प्राप्त हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के संबंध में बताया जाता है कि ऑटो चालक धर्मेंद्र अग्रवाल 35 वर्ष खड़हट्टी मोहाल थाना गोपीगंज व खलासी मोहम्मद सुल्तान 22 चुड़ीहारी मोहाल गोपीगंज निवासी ऑटो रोककर सामान लाद रहे थे, पीछे से आ रही अनियंत्रित बोलेरो ने ऑटो में टक्कर मार दी। जिससे चालक व खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें स्थानीय नागरिकों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज ले आया गया, जहां उपचार के उपरांत उन्हें रेफर कर दिया गया।

इग्नू की परीक्षाएं 3 अगस्त से प्रारंभ

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही । नगर क्षेत्र के दारुल उलूम हबीबिया रिजविया गोपीगंज में इग्नू द्वारा संचालित विभिनन कोर्सों बी ए,एम ए, बीएससी ,बीकॉम ,बीपीपी, एम एससी, एम एड, एमएसडब्लूयू आदि के साथ सर्टिफिकेट और डिप्लोमा की परीक्षाएं 3 अगस्त 2021 से शुरू होने जा रही हैं यह जानकारी देते हुए इग्नू के इंचार्ज समन्वयक तबस्सुम बानो ने बताया कि इस परीक्षा में विभिनन कोर्सों के कुल 373 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे काशी नरेश सनतकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर भदोही तथा जीडी बिननी सनतकोत्तर महाविद्यालय मिर्जापुर एवं इस केंद्र के पंजीकृत छात्र इस परीक्षा में सम्मिलित होंगे परीक्षा दो पालीयों में संपनन होगी परीक्षा 9 सितंबर 2021 को समाप्त होगी प्रथम पाली की परीक्षा 10:00 बजे से 1:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली की परीक्षा 2:00 बजे से 5:00 बजे तक संपनन होगी । परीक्षा केंद्र के प्राचार्य मोहम्मद मुख्तार रिजवी ने बताया कि परीक्षाथिर्यों को इग्नू द्वारा जारी पहचान पत्र के साथ इंटरनेट द्वारा प्राप्त हाल टिकट लाना अनिवार्य है पहचान पत्र एवं हॉल टिकट ना होने पर परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा केंद्र व्यवस्थापक ने बताया कि परीक्षा की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

राज्य बाल पुष्टाहार की सभापति द्वारा महिलाओं की हुई गोद भराई

अखंड भारत संदेश

भदोही। कंसापुर गांव में महिलाओं की गोद भराई का कार्यक्रम रखा गया जिसमें महिलाओं को गर्भावस्था में क्या लेना चाहिए क्या नहीं लेना चाहिए तथा संतुलित आहार के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए राज्य बाल एवं पुष्टाहार की सभापति द्वारा गोद भराई का कार्यक्रम किया गया।

इस कार्यक्रम में महिला कल्याण अधिकारी ममता सिंह ने कोरोना से अनाथ हुए बच्चों को राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं से संबंधित योजनाओं का प्रचार प्रसार किया तथा वन स्टॉप सेंटर की सेंटर मैनेजर शिल्पा शुक्ला द्वारा घरेलू हिंसा तथा किसी भी प्रकार की हिंसा से पीडित महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर कार्यक्रम के बारे में महिलाओं को जागरूक किया एवं महिला हेल्पलाइन 181 पर महिलाओं को बताया गया कि हर

समस्याओं का निराकरण होता है प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा सामाजिक सशक्तिकरण हेतु भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित महिला हेल्पलाइन 181, 1 मार्च 2020 से भोपाल में प्रारंभ की गई है। जिसमें पूरे प्रदेश से महिला हिंसा से संबंधित पांच सुने जाते हैं वह महिलाओं की समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है महिला हेल्पलाइन का टोल फ्री नंबर 181 है ,जो 24 घंटा कार्य करता है एवं माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कोविड-19 बच्चों की पढ़ाई विवाह का खर्च सरकार देगी ऑनलाइन पढ़ाई के लिए लैपटॉप और टेबलेट दिया जाएगा हर में ऐसे बच्चों की परवरिश के लिए 4000 दिए जाएंगे, जिनकी उम्र 10 साल से कम है और जिनके गाजिन्यन नहीं है उन्हें राज्य के बाल संरक्षण गृह में रखा जाएगा अनाथ बालिकाओं की शादी हेतु सरकार 1 लाख देगी त्

प्रशासन की अनदेखी से नगर के अंदर पैदल चलना मुश्किल

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। नगर में प्रशासन की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद कामशिन्यल वाहनों का नगर के मुख्य बाजार में प्रवेश जारी है। जिसके चलते पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। कामशिन्यल वाहनों के जमावड़े से जहां जाम की समस्या बरकरार है, वहीं व्यवसायियों का व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। उधर नो एंट्री का पालन कराने वाले जिम्मेदार पूरी तरह मूकदर्शक बनकर वसूली में लिप्त हुए हैं। नगर पालिका परिषद के मुख्य बाजार राजमार्ग चौराहे से स्टेशन रोड, खरहट्टी मोहाल, पश्चिम मुहाल, मिर्जापुर रोड में नो एंट्री का फरमान जारी है। इसके तहत सुबह 8:00 बजे से रात 8:00 बजे तक इन स्थानों पर बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। बावजूद इसके दशा यह है कि पूरे दिन मुख्य बाजार से होकर प्रतिबंधित एरिया में बड़े वाहन का आवागमन बना रहता है। कुछ समय पहले नगर में वनवे की व्यवस्था की गई थी, जो आज पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। इसके चलते पूरे दिन जहां जाम की स्थिति बनी रहती है वही साइकिल बाइक सवार के समक्ष अपनी साइकिल खड़ी करने तक की समस्या हो जाती है। अवगत कराने के बाद भी इस समस्या की ओर किसी का ध्यान नहीं है। न ही नो एंट्री के फरमान का पालन हो रहा है। साइकिल बाइक तो दरकिनार पैदल यात्रियों तक के लिए चल पाना मुश्किल हो जाता है। बड़े वाहनों के प्रवेश से लोगों की दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि बड़े वाहनों के प्रवेश के दौरान लगने वाले जाम के चलते ग्राहक बाजार में रुकना नहीं चाहते। कारण है कि साइकिल आदि से आने वाले ग्राहकों के समक्ष अपनी मोटर साइकिल व साइकिल खड़ी करने तक की समस्या हो जाती है। स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों ने मुख्य बाजार में बड़े वाहनों के प्रवेश रोकने के फरमान का कड़ाई से पालन कराने की मांग की गई है। साथ ही परियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की गई है जिससे समस्या का निदान हो सके।

विदेश में रह कर भारतीयों की रहनुमाई में लगे प्रो0 मुख्तार खान

शहजादे

कोरांव/प्रयागराज। भारत मूल के इलाहाबाद जिले के ग्राम छरीगरा निवासी प्रोफेसर हाजी मुख्तार अहमद खान सऊदी अरब में रह कर भारतीयों के लिए अपनी मुहब्बत और खोलूश के साथ साथ हर स्तर की इमदाद में लगे रहते हैं। जिससे कई बीमार,एक्सिडेंट शुदा,या मौत के शिकार लोगों को उनके वतन भेजवाना एक बहुत ही शेर दिली का काम है।

प्रोफेसर मुख्तार अहमद खान सऊदी में जजान यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं। उनकी बेटी भी वहीं प्रोफेसर है। इन्होंने अब तक काफी लोगों की को सऊदी अरब में रहते हैं,उनके दुख में शरीक नजर आते हैं। श्री खान भारतीय महावाणिज्य

जद्दा में भारतीय महावाणिज्य दूतावास की मदद से काफी बीमारों,दुर्घटना के शिकार और मृतकों को भारत वतन भेजवाए

दूतावास सऊदी के जरिए पैरवी करके वहां ठहरे या नौकरी आदि पेशा करने वाले भारतीयों को जो दुर्घटना में मरे या बीमारी में मरे,उनके वतन प्लेन से भेजवाते रहते हैं।

साथ ही किसी कानूनी कार्यवाही में फंसे लोगों या जेलों में बन्द भारतीयों की पैरवी करके जमानतें कराकर उनके वतन पहुंचवाने का काम काबिले तारीफ है। नदीम नामक भारतीय जो 26दिसम्बर 2019 को बीमार परिचारक के रूप में को सऊदी नसी के साथ एयरलाइन द्वारा ज्जान से दिल्ली भेजवाया। और दिल्ली के सफदर गंज अस्पताल में भरती कराया था। फिलहाल बच नहीं पाया था। किन्तु लम्बे संघर्ष के बाद 29 जून 2021 को उस बदनसीब को 24 दिन बाद दफनाया जा सका। साथ ही कई ऐसे बदनसीब है जिनकी मौते हो गईं थीं। जिनकी मदद कर लाशों को भारत भेजवाने पड़े।

जनाब खान की बातों पर यकीन करें तो उनका कहना है कि को भी हमसे सम्भव है वह काम में कर रहा हूं। अपने यूनिवर्सिटी के पठन पाठन के

अलावा उन सभी सामाजिक गतिविधियों में तकरीबन बारह साल से ज्यादा वक्त से उक्त कार्यों में लगा हूं। जो हमें अच्छा लगता है। वैसे जब कोई भारतीय मुझे फोन करके मदद के लिए या जिन्हे भारत भेजवाया उनके परिजन गों करते हैं तो मुझे फख्र होता है, कि कोई बन्दा अपने वतन पहुंच कर खुशी जताते है।

ऐसे में जरूरत मंदो की मदद करने में खुशी होती है। मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट के फाउंडर सचिव अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे अल्हवा ने ऐसे पुरुष की प्रशंसा की है। और भविष्य में ट्रस्ट के आयोजनों में सम्मानित करने की बात कही है।

नगर में बिना लाइसेंस के अवैध रूप से चल रहा मछली, मीट, मुर्गे का व्यापार

गोपीगंज/भदोही। नगर पालिका परिषद के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित रामलीला मैदान के सामने, लाइबाजार, फूलबाग सहित कई स्थानों पर मानक की अनदेखी करते हुए बिना लाइसेंस के अवैध रूप से खुले आम व्यापार किया जा रहा है। पालिका प्रशासन के साथ ही खादय सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की अनदेखी पर प्रशन चिन्ह लगाता है। बताया जाता है कि नगर के मांस, मछली, मुर्गे के दुकानदार नियमो को ताकपर रख कर खुले आम बिक्री कर रहे हैं। सड़क पर खुलेआम इनकी बिक्री मानव संवेदना को झकझोर रही है। पिछले दिनों रामलीला मैदान के सामने प्रतिबंधित थाई मछली को मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी कर डिट्रॉय किया था, उसके बावजूद भी दुकानदारों द्वारा मछलियां बेची जा रही है। नियमानुसार मीट, मछली,मुर्गे की बिक्री के लिए सबसे पहले पालिका की एनओसी लेनी होती है।

25 साल के विकास पर भारी पड़ेगा 6 महीने का विकास कार्यःअनिरुद्ध

अखंड भारत संदेश

भदोही। नगर के पचभैया में स्थित समाजसेवी समर सिद्दीकी के आवास पर सोमवार को स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के प्रथम नागरिक जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी का फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया।

इस दौरान श्री त्रिपाठी ने कहा कि चुनाव के बाद अब काम करने का समय है। जिले में पिछले 25 वर्ष बनाम 6 माह में ही विकास दिखेगा। मिनी सदन में प्रथम बैठक में ही विकास का खाका खींचा गया है। अब सभी ग्राम सभा जहां जलभराव की समस्या है। वहां 6 करोड़ रुपए की लागत से पुलिया व नाला निर्माण की योजना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी सदस्यों ने प्रस्ताव दे दिया है। इसके अलावा गांवों को शहरो की तर्ज पर मास्क लगाने की योजना है। सभी विकास कार्य 6 माह के अंदर होना है। समारोह में विधायक रविन्द्र नाथ त्रिपाठी ने गजिया फ्लाई ओवर निर्माण पर कहा कि नवंबर में ब्रिज निर्माण पूरा करने का लक्ष्य यूपी सेतु निगम को दिया गया है। इसके अलावा सिविल लाइन रोड के निर्माण को शीघ्र कराने का भरोसा दिया। इस मौके पर सैयद एखलाक अहमद, तमजीद सिद्दीकी, हसीन सिद्दीकी, डा.मोबश्शिर अहमद, हाफिज अनस, मिंटू सिंह, वारिस अली, सनने सिंह, खुर्रम अंसारी, अब्दुल हक खां, सचिन त्रिपाठी, अभयराज सिंह, मनोज पांडेय, शाहबाज खां आदि प्रमुख रुप से मौजूद रहे।

छतिग्रस्त चकापुर सम्पर्क मार्ग मरम्मत की मांग

घोसिया। औराई क्षेत्र अन्तर्गत महाराजगंज जीटी रोड से चकापुर सम्पर्क मार्ग पर आए दिन ओवरलोड गाड़ियां चलने से सड़क जगह-जगह कई स्थानों पर धंस गई है। गौरतलब हो कि महराजगंज बाजार में भीड़-भाड़ होने के कारण चैरी रोड जाने के लिए बड़े वाहन इस समय इसी मार्ग का प्रयोग कर रहे हैं।जबकि यह मार्ग छोटे वाहनों के लिए ग्रामीण इलाके का मार्ग है जिस पर आये दिन हाईवा,ट्रेलर ओवरलोडेड गाड़ियां धड़ल्ले से चलती है। बड़े वाहनों के आने-जाने से रोड बीच-बीच में दबकर जर्जर होने की कगार पर पहुंच गया है और उसमें पानी भर के उखड़ जा रहा है। आए दिन बड़े वाहन बीच रोड में फंस जाते हैं जिससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियां झेलनी पड़ती है। इसी तरह एक हाईवा बीच रास्ते में फंस गया जो कि रास्ते को जाम करके खड़ा हो गया है। इस सम्बन्ध में ग्रामीणों ने कहा कि यदि उच्चाधिकारी मामले को संज्ञान में नहीं लेते हैं तो शासन तक का दरवाजा खटखटाने पर विवशता होगी।

अन्न महोत्सव को लेकर डीएम ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने 5 अगस्त को मनाए जाने वाले अनन महोत्सव की तैयारियों के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अनन योजना के तहत 5 अगस्त को पूरे जिले में निरूशुल्क राशन का वितरण किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक राशन की दुकान पर यह वितरण सरकार की ओर से भेजे गए थैलों में होगा। राशन वितरण के इस कार्य में जनप्रतिनिधि शहीद सैनिकों की विधवा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त सम्मानित व्यक्ति से कराया जाएगा। साथ ही इस दौरान कोविड-19 के नियमों का पालन करना होगा। कोरोना महामारी के दौरे में गरीबों की मदद करने के लिए सरकार की ओर से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अनन योजना संचालित की गई है। इसके तहत गरीबों को निरूशुल्क राशन वितरण किया जाता है। प्रत्येक राशन कार्ड धारक को पांच किलोग्राम प्रति व्यक्ति राशन दिया जाता है। ऐसे में अगस्त माह में पॉच तारीख को जिले के

सभी डिपो पर निरूशुल्क राशन वितरण किया जाएगा। सरकार की ओर से जारी निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक दुकानदार को कोविड-19 के नियमों का पालन करना होगा।

राशन सरकार की ओर से दिए गए थैलों में वितरण किया जाएगा। इस कार्य में ग्राम पंचायत स्तरीय कर्मचारी स्वयं सहायता समूह एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों भी भाग लेंगी। साथ ही प्रत्येक डिपो होल्डर जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर कार्यक्रम करे सफल बनाएंगे। टीवी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण होगा। उन्होंने कहा कि अनन महोत्सव से संबंधित सामग्री हर डिपो पर उपलब्ध रहे।

निर्देश दिए कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होने कहा कि नोडल अधिकारी अनन महोत्सव की सफलता के लिए तहसीलवार ड्यूटी लगाएं और संबंधित कमिर्यों की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद के प्रत्येक डिपो पर 100 लाभाथिर्यों को बुलाया जाए। कहा कि अधिकारी एंव कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का सही प्रकार से निर्वहन करें। इसमें खादयानन के साथ ही निशुल्क बैग का भी वितरण होगा। इस दौरान उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर, उप जिलाधिकारी भदोही, उप जिलाधिकारी औराई, अपर उप जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

विपक्ष का सेल्फ-गोल

संसद में पूछे गए सवालों के जवाब में स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती पवार ने कोवैक्सीन और कोविशील्ड के प्रॉडक्शन के अलग-अलग आंकड़े बताए। विपक्ष को इस पर सरकार को घेरना चाहिए था। संसद के मॉनसून सत्र की आधे से ज्यादा अवधि हंगामे की भेंट चढ़ चुकी है। 19 जुलाई को शुरू हुआ यह सत्र 13 अगस्त तक चलना है। अभी तक इसमें नाम मात्र का ही काम हुआ है। सरकार ने कुछेक बहुत जरूरी बिल बिना किसी बहस के पारित करवा लिए गए हैं। संसद में जो भी थोड़ा-बहुत काम हो रहा है, वह उसमें दूसरे जरूरी विधेयक भी इसी तरह से पास करवा सकती है। इसलिए संसद के कामकाज में बाधा डालकर विपक्ष सेल्फ-गोल कर रहा है। अच्छा होता अगर वह संसद का इस्तेमाल सरकार से तीखे सवाल करने के लिए करता। उसके पास इसके लिए कई मुद्दे हैं।

खासतौर पर कोरोना महामारी की दूसरी लहर की अव्यवस्था। लोगों के मन में उस दौर की यादें ताजा हैं। इसीलिए जब आरजेडी सांसद मनोज झा ने सदन में दूसरी लहर में हुई मौतों पर देश से माफी मांगते हुए सबके लिए स्वास्थ्य के अधिकार की मांग की तो उसकी काफी चर्चा हुई। ऐसा ही एक मुद्दा वैक्सीन का भी है। टीकाकरण की रफ्तार बहुत धीमी हो गई है। इसकी गति बढ़ाने के लिए क्या हो रहा है और यह काम कब तक पूरा होगा, विपक्ष को सरकार से इसका जवाब मांगना चाहिए।

संसद में पूछे गए सवालों के जवाब में स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती पवार ने कोवैक्सीन और कोविशील्ड के प्रॉडक्शन के अलग-अलग आंकड़े बताए। विपक्ष को इस पर सरकार को घेरना चाहिए था। ऑक्सिजन की कमी से हुई मौतों पर पूछे गए प्रशन पर भारती पवार ने जो जवाब दिया, उसे लेकर देशभर से नाराजगी सामने आई। आखिरकार मंत्रालय को कहना पड़ा कि वह इस बारे में ठीक से आंकड़े जुटाएगा। फिर, देश की खराब अर्थव्यवस्था का मुद्दा भी है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने देश की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 3 फीसदी घटा दिया। इसका मतलब यह है कि एक तरफ जहां कोरोना की दूसरी लहर ने आर्थिक रिकवरी को धीमा कर दिया, वहीं दूसरी तरफ सरकार के दिए गए आर्थिक पैकेज से उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। पेट्रोल, डीजल पर भारी टैक्स भी एक बड़ा मुद्दा है, जो हर इंसान की जिंदगी पर असर डाल रहा है। इस तरह की रिपोट्र्स आ चुकी हैं कि पेट्रोलियम गुड्स की महंगाई के कारण लोग ग्रॉसरी बिल में कटौती करने को मजबूर हुए हैं।

कृषि कानूनों का भी मामला है, जिस पर किसान आंदोलनरत हैं। बेशक, पेगासस भी एक मुद्दा है, लेकिन इसे लेकर अदालत में याचिकाएं दाखिल की गई हैं। विपक्ष को देखना चाहिए कि वहां इसे लेकर क्या होता है। उसे समझना होगा कि राज्यों में हुए पिछले दौर के चुनाव में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न कर पाने, महामारी और आर्थिक मुद्दों को लेकर सरकार दबाव में है। संसद में सवाल पूछकर उसे केंद्र पर दबाव और बढ़ाना चाहिए। संसद के कामकाज में बाधा डालने से उसके हाथ कुछ नहीं लगेगा, उलटे बीजेपी इससे खुश होगी।

आंदोलन कभी हारते नहीं

चिन्मय मिश्रा

दिल्ली की विभिनन्‍ सीमाओं पर पिछले करीब 2 महीनों से किसान बैठे हैं। वे तीन कृषि कानूनों की मुखालफत करते हुए उन्हें वापस लिए जाने की बात पर अड़े हैं। इसी दौरान 26 जनवरी को आयोजित ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई हिंसा की वजह से आंदोलन के स्वरूप व नीयत पर सवालिया निशान लगाया जा रहा है। जाहिर है सवाल तो उठेंगे ही। उनमें से कुछ वाजिब होंगे और कुछ गैर वाजिब। आरोप-प्रत्यारोप में यह होगा कि एक पक्ष आंदोलन के दौरान हुई हिंसा की आड़ लेकर कृषि कानूनों के सत्यापन का प्रयास भी करेगा और आंदोलन के उस दिन अधिकांशतः शांत रहने की बात को नजरअंदाज करेगा। यह बात मीडिया के अधिकांश वर्ग पर लागू होती है। परंतु हमें यह याद रखना होगा कि वास्तविक व उद्देश्यपूर्ण आंदोलनों की कभी हार नहीं होती। वे एक महायुद्ध लड़ रहे होते हैं, जिसमें कई बार विजेता छोटी लड़ाई हार भी जाते हैं। आंदोलन ठिठक कर रुकते जरूर हैं, कई बार वे अपने को वापस भी ले लेते हैं, परंतु अंततः वे एक शाश्वत इकाई की तरह समाज व आंदोलनकारियों के अवचेतन में प्रतिष्ठित हो जाते हैं और किसी एक दिन पुनः अवतरित भी हो जाते हैं। वर्तमान किसान आंदोलन में अब तक करीब 150 से ज्यादा किसान अपने आप को पूर्ण समर्पित कर चुके हैं। सरकार व आंदोलनकारियों के बीच की 11 दौरों की चर्चा का परिणामहीन होना यह समझा रहा है कि गतिरोध का हल निकालने के तरीके पर कोई गंभीरता नहीं बरती जा रही है। हम देखते हैं कि राष्ट्र की सरकारें अपने विरोधी राष्ट्रों से संबंध ठीक बनाने के लिए पिछले दरवाजे से चर्चाएं हमेशा जारी रखती हैं, जबकि हम सबको यह लगता रहता है कि सब कुछ ठंडे बस्ते में चला गया है। परंतु यहां ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। किसी भी समझौते की अनिवार्य शर्त यह है कि आपको अपने विरोधी के प्रति सम्मान का प्रदर्शन करना होगा। सरकार जिस पर कि समस्या के निराकरण की जिम्मेदारी है, उसे सही व सहनशील बनना और रहना ही पड़ेगा। परन्तु किसान आंदोलन में तो सारे अनर्गल आरोप सरकार की ओर से ही लगाए जा रहे हैं। क्यों यह हम और आप अच्छी तरह से जानते और समझते हैं।

सरकार से असहमति का अर्थ कभी भी यह नहीं हो सकता है कि सामने वाला पक्ष देशविरोधी और गैर जिम्मेदार है, दो महीनों तक समस्या का हल न निकाल पाना केंद्र सरकार की बड़ी नाकामी है। किसान आंदोलन के ऐसे नेता जिनका कि हिंसा और षड्यंत्र में विश्वास नहीं है, उन पर हिंसा भड़काने व षड्यंत्र करने के आरोप लगाना व पुलिस रिपोर्ट में उन्हें नामजद करना, सरकार की एक और असफलता है। गौरतलब है, सरकारों के पास प्रत्येक सक्रिय कार्यकर्ताओं और आंदोलन की अगुवाई करने वालों /वाली के बारे में पूरी जानकारी होती है। अधिकारी और राजनीतिज्ञ जानते हैं कि वास्तविक सच क्या है। इसके बावजूद एक बनेबनाए ढर्रे पर कलम घसीटते रहते हैं। वे कोशिश करते हैं कि शांतिपूर्ण आंदोलन की अगुवाई करने वालों को बदनाम कर आंदोलन को बदनाम किया जाए और अंततः इसे समाप्त कर दिया जाए अथवा करा दिया जाए।

आधुनिक प्रशासन की यही सबसे बड़ी चूक है। वे समस्या के समाधान के बजाए उसे दबा देते हैं। इसके परिणामस्वरूप वह समस्या राख के ढेर के नीचे आग की तरह कभी भी पुनः भभक सकती है। सच्चे एवं ईमानदार नेतृत्व को नस्त करने से स्थितियां बेकाबू होती चली जाती हैं और नेतृत्व कुछ ऐसे लोगों के हाथ में आ जाता है जो क्षणिक आवेश जतलाकर इसे दिशाहीनता की ओर प्रस्थान करवा देते हैं।

इसे एक जीवंत उदाहरण से समझने का प्रयास कीजिए। नर्मदा बचाओ आंदोलन की वरिष्ठ कार्यकर्ता मेधा पाटकर पर भी दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई की है। वे पिछले करीब चार दशक से सामाजिक आंदोलनों में सक्रिय हैं। किसी आंदोलन में उनकी उपस्थिति मात्र ही यह संदेश देती है कि अब इसमें हिंसा और षड्यंत्र की कोई गुंजाइश ही नहीं बची है। अहिंसा के प्रति उनका समर्थन कई बार आन्दोलन में चिड़चिड़ाहट तक पहुंचा देता है, परंतु सरकारें इस सत्य को स्वीकारने से डरती हैं। यदि सरकार को लोकतांत्रिक ढंग से दिल्ली में हुई हिंसा के मामले में किसी निणन्य पर पहुंचना होता, तो वे उनसे चर्चा करते और समझते कि मेधा पाटकर के रहते आंदोलन हिंसक कैसे हो गया इसके लिए आवश्यक यह है कि सर्वप्रथम अपने विरोधी को अपना दुश्मन न माने। यह बात दोनों पक्षों पर लागू होती है। यहां एक और तथ्य पर गौर करना आवश्यक है। तमाम लोग इस हिंसा की तुलना चौरी-चौरा में हुई हिंसा से कर रहे हैं। वहां हुई हिंसा के बाद महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस ले लिया था। यह वाकया 4 फरवरी 1922 को हुआ था। गांधी जी ने आंदोलन वापस लेते हुए कहा था कि भारतीय जनता अभी जिस तरह की वे आजादी चाहते हैं, उसके लिए तैयार नहीं है।

परंतु इसके बाद 20 वर्षों तक भारत की जनता के साथ लगातार संवाद करने के बाद 8 अगस्त 1942 को 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' आंदोलन की घोषणा हुई। 9 अगस्त से यह सारे भारत में शुरू हो गया था। परंतु अंग्रेजों ने 8 अगस्त 1942 की रात को ही सभी प्रमुख नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया था। गांधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया और सभी को स्वयं का सेनापति बनने की सलाह भी दी। बहरहाल यह आंदोलन करीब दो साल चला। इसमें कुल 940 लोग मारे गए। 1630 घायल हुए 18000 से ज्यादा नजरबंद हुए और और 60,229 लोग गिरफ्तार हुए। तत्कालीन सरकारी आंकड़े बताते हैं इस दौरान 208 पुलिस थाने, 1275 सरकारी कार्यालय 382 रेलवे स्टेशन और 945 डाकघरों को जनता ने नष्ट किया था। सच-झूठ अपनी जगह है परंतु आंदोलन दबा नहीं। इन आंकड़ों को सामने लाने का अर्थ यह है कि एक अहिंसक आंदोलन को नेतृत्वविहीन करना हमेशा खतरनाक ही सिद्ध होता है।

गौरतलब है कि 8 अगस्त को कांग्रेस अधिवेशन में प्रस्ताव पारित होने के बाद गांधी जी ने कहा था, 'वास्तविक संघर्ष तुरंत ही प्रारंभ नहीं हो जाता आप लोगों ने कुछ अधिकार मुझे सौंपे हैं। मेरा पहला काम होगा वायसराय से मुलाकात करना और उनसे प्रार्थना करना कि कांग्रेस की मांग स्वीकार की जाए।' परंतु वास्तव में जो हुआ वह पहले ही लिखा जा चुका है। 26 जनवरी 2021 की घटना के बाद यह आवश्यक हो जाता है कि हम महात्मा गांधी और तत्कालीन वायसराय के लिनलिथगो के संवादों पर गौर करें। ज्ञातव्य है महात्मा गांधी उस दौरान कारागार में थे। उन्होंने 31 दिसंबर 1942 को वायसराय लिखा था यह बिलकुल व्यक्तिगत पत्र है। मेरा ख्याल है हम आपस में मित्र हैं। मगर 9 अगस्त की घटनाओं से मुझे शंका हो गई है कि आप मुझे मित्र समझते हैं या नहीं। कड़ी कार्यवाही करने के पहले आपने मुझे बुलाया क्यों नहीं इसी पत्र में वे उपवास का अपना निश्चय भी बताते हैं। वायसराय अपने उत्तर में लिखते हैं 'मुझे दुख है कि इस हिंसा और अपराध के लिए एक शब्द भी नहीं लिखा।' गांधीजी जवाब देते हैं '9 अगस्त की घटनाओं के लिए मुझे खेद है है किंतु क्या इसके लिए भारत सरकार को दोषी ठहराया है इसके अलावा जिन घटनाओं पर न तो मेरा प्रभाव है और न ही काबू तथा जिनके बारे में मुझे केवल एकतरफा बयान मिला है, उन पर मैं कोई मत प्रकट नहीं कर सकता। इस पर लिनलिथगो ने जवाब में कहा कि ' मेरे पास इसके सिवा और कोई विकल्प नहीं है' और लूटमार के आंदोलन के लिए कांग्रेस और उसके अधिकृत प्रवक्ता आपको जिम्मेदार मानें। इसके जवाब में गांधी जी ने लिखा 'सरकार ने ही जनता को उघाड़कर पागलपन की सीमा तक पहुंचा दिया है मैंने जीवन भर अहिंसा के लिए प्रयतन्‍ किया है फिर भी आप मुझ पर हिंसा का आरोप लगाते हैं, इसलिए मेरे दर्द को जब तक मरहम नहीं मिलती मैं सत्याग्रही के नियम का पालन करूंगा अर्थात शक्ति के अनुरूप उपवास करूंगा जो 9 फरवरी को शुरू होगा और 21 दिन बाद समाप्त होगा'। इसके बाद भी दोनों के बीच विस्तृत संवाद हुआ था। इन संवादों की तारीख हटा दीजिए और मनन कीजिए क्या आज स्थितियों में ज्यादा परिवर्तन आया है हमें याद रखना होगा कि आंदोलन की कोई समय सीमा नहीं होती। दलितों की अस्मिता का आंदोलन सहस्त्राब्दियों से अनवरत चल रहा है। इसमें अपनी उम्मीद जागी है। आदिवासियों के आंदोलन भी शताब्दियों से चल रहे हैं, परंतु उम्मीद आज भी धूमिल है। नर्मदा बचाओ आंदोलन जैसे आंदोलन चार दशक के बाद अब जीत से ज्यादा स्वाभिमान की प्राप्ति के लिए संघर्षरत हैं। सारे राजनीतिक दल जो आज सत्ता में हैं और जो कल आ सकते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि आंदोलन न तो हारते हैं और न मरते हैं। सिर्फ उनकी जीत स्थगित रहती है। वस्तुतः वे अजर अमर रहते हैं। भारत के किसानों का आंदोलन भी ऐसा ही है। शाश्वतता के साथ वह आज नहीं तो कल अपना लक्ष्य प्राप्त कर ही लेगा। यह आन्दोलन आज अपनी विजय या जीत से ज्यादा की आकांक्षा लिए हुए है, जो अवश्य पूरी होगी। आंदोलन में गांधी की उपस्थिति इतनी व्यापक है कि वह अनुपस्थित सी हो गयी है। वह एक सुवास सी है जो दिखाई तो नहीं देती पर महसूस हमेशा होती है। अंत में गाँधी से अलग राह पकड़ उसी गंतव्य पर पहुँचने वाले कास्त्रो की ही कुछ पंक्तियाँ 'ए मृत शरीरों/ कल तक तुम अपनी मातृभूमि की आशा थे / अपनी हड्डियों की आग से मेरे माथे पर तिलक लगा दो/ और मेरे हृदय को अपने ठन्डे हाथों से स्पर्श करो/ मेरे कानों के पास आकर चीत्कार करो/ मेरी एक-एक आह/ एक और जालिम के कानों के परदे को फाड़ देगी/ मेरे आसपास जमा हो जाओ ताकि/ मैं तुम्हारी आत्मा को आत्मसात कर सकूँ/ तुम कब्रिस्तान की वीभत्सता मुझे दे डालो/ क्योंकि गुलामी में जीवन बिताने वाले को/ आंसू कभी भी पर्याप्त नहीं होते।'इसीलिए आंदोलनों का सर्वाधिक प्रिय नारा है 'लड़ेंगे जीतेंगे'।

इतिहास हमारे कामों का मूल्यांकन करेगा कि हमने आपदा में कैसा बर्ताव किया

प्रियंका चतुर्वेदी

पिछले साल 9 मार्च को जब महाराष्ट्र की नई सरकार कामकाज में व्यवस्थित हो ही रही थी कि तभी कोविड की खतरनाक दस्तक सुनाई देनी लगी। महामारी का वायरस सिर्फ अपने देश ही नहीं पूरे विश्व के लिए नया था। तब हमारे आसपास कई तरह के तर्क दिए जा रहे थे कि भारत के लोगों के पास बेहतर इम्युनिटी है,यहां ऐसा गर्म वातावरण है कि यह मारक वायरस अमेरिका, यूरोपीय देशों की तरह नहीं पसरेगा। भारत इसके प्रकोप से बचकर रहेगा। इन्हीं दिलासों के बीच सुस्ती होती जा रही थी। लेकिन महाराष्ट्र की सरकार सकारात्मक उम्मीदों के साथ किसी तरह की सुस्ती में जाने के बजाय सबसे बुरे दौर से लड़ने के लिए जुट गयी।याद होगा कि सबसे पहले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जो निणन्य लिया था वह था 11 डॉक्टरों के मेडिकल टास्क फोर्स का गठन करना। मेडिकल एक्सपर्ट की टीम वाली टास्क फोर्स को कोविड से लड़ने के लिए नीति और उसे संचालन करने का काम दिया। उन्होंने ही सबसे पहले-टेस्टिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटिंग का फार्मुला दिया जो तभी से लेकर आजतक कोविड के खिलफ जंग में सबसे प्रमुख हथियार है।तब जहां राज्य में विपक्ष के रूप में बीजेपी राजनीति करने में जुटी थी तो केंद्र सरकार विपक्षी राज्यों को अस्थिर करने में जुटी थी,लेकिन महाराष्ट्र ने कोविड से जंग में पहली पहल ली और कई रास्ते दिखाए। तमाम अवरोधों को दूर करने के लिए कदम उठाए। देश में महामारी के पुराने मिसाल बताते थे कि जहां आबादी का घनत्व सबसे अधिक रहा वहां महामारी का प्रकोप सबसे अधिक रहा है। मुंबई में न सिर्फ सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है बल्कि सबसे बड़ा स्लम इलाका भी है। विश्व की सबसे घनी आबादी वाला शहर भी है। खतरे को भांपते हुए उसी अनुरूप कदम उठाए गए।और जब महाराष्ट्र के कोविड मैनेजमेंट की बात हुई तो यह महज प्रोपेगेंडा नहीं रहा। पुख्ता प्रमाणिक चीजें इस मैनेजमेंट की गवाह बनी। मुंबई हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कार्ट तक ने कई मौकों पर इसकी सराहना की। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने धारावी जैसे बड़े स्लम इलाकों को कोविड से बचाने के लिए की गयी कोशिशों को सराहा। इस दौरान सिर्फ महामारी नहीं बल्कि मानवीव पहलुओं को भी ध्यान में रखा गया और लॉक डाउन जैसे बंदिशों के बीच हर गरीब तक सरकार ने मदद पहुंचाने की सफल कोशिश की।

इन सबके बीच सरकार ने डाटा में पारदर्शिता और हालात को बिना छिपाए सामने रखा। चाहे कोविड पोजिटिव केस की तादाद हो या मरने वालों की संख्या राज्य ने एक-एक बात सामने रखी बिना कोई परदा दिये। शुरू में जरूर बढ़ी संख्या को लेकर आलोचना हुई लेकिन बाद में सभी ने माना कि कोविड से जंग में आंकड़े को जितना छिपाने की कोशिश होगी,यह उतना ही पलटवार करेगा। उसकी मिसाल हमने कई दूसरे राज्यों में देखी। डाटा को छिपाने से हमें पूरे विश्व के सामने शर्मशार होना पड़ा और हमारे आंकड़ों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। अब जब दूसरी लहर के कमजोर होने के संकेत मिल रहे हैं तो इसी दौरान तीसरे लहर के अनजाने आशंका के बीच हमें वक्त मिला है जब हम खुद को आगे किसी भी हालात से मुकाबले के लिए तैयार कर सकें। आगे हमें दोहरी लड़ाई लड़नी है। कोविड की दूसरी लहर में मिली सीख के आधार इस बार हर चीजों की जरूरत का पहले से इंतजाम उसी हिसाब से कर रखना है। ऑक्सीजन की आपूर्ति हो या आईसीयू बेड्स की तादाद। मेडिकल कमिन्यों की तैनाती हो या अस्पतालों की संसाधनों की जरूरत। दवाओं की उपलब्धता की बात हो या बच्चों में संक्रमण पसरा तो उससे निबटने के उपाय। इन तमाम मोर्चों पर हमारा मंथन जारी है। हम इनकी तैयारियों के लिए तीसरी लहर के दस्तक देने तक इंतजार नहीं कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर हमें टीकाकरण की गति को भी बढ़ाते हुए उसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का टास्क है।

इस बात को हमें ध्यान में रखना है कि सबसे अधिक तैयारी उन इलाकों के लोगों को महामारी से बचाने के लिए करनी होगी जहां सुविधाएं कम हैं और जहां के लोग सरकार की सुविधाओं और मदद पर अधिक आश्रित हैं। हम महाराष्ट्र में शुरू से सभी के लिए अधिक से अधिक टीकाकरण की मांग कर रहे थे। अगर उत्पादन बढ़ाने से लेकर टीके की आपूर्ति तक के मोर्चे पर शुरू से तत्परता दिखाया होता तो अब तक बड़ी आबादी को हम टीका लगा चुके होते। लेकिन जैसा शुरू में कहा,अब जो हुआ उससे सीख लकर आगे बढ़ने का वक्त है। अगले कुछ महीने में हमें आक्रामक रूप से सभी जरूरतमंदों तक टीका पहुंचाना होगा ताकि संक्रमण से लड़ाई में एक बेहद प्रभावी कवच तैयार हो जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि बच्चों के लिए टीका का रास्ता जल्द खुल जाएगा।महाराष्ट्र के सीएम ने टीका की कमी के बीच भी इसकी गति बिल्कुल कम नहीं होने दी और उसी का परिणाम है कि पूरे देश में 3 करोड़ टीका देने वाला राज्य भी बना। केंद्र टीका की आपूर्ति में जिस तरह बिना तैयारी अति आत्मविश्वास में चली गयी थी उसका बड़ा नुकसान सबको उठाना पड़ा। अब आगे टीकाकरण के मोर्चे पर ऐसी सूरत न बने और जल्द से जल्द सभी लोगो को टीक लग जाए, इसके लिए अब पूरी पारदर्शिता बनायी रखनी है। हम पहले ही इसमे कुछ महीने का नुकसान कर चुके हैं। सभी ने देखा कि महाराष्ट्र ने टीकाकरण में भी कई इनोवेशन किया। विदेश में जाने वाले स्टूडेंट या दूसरे जरूरतमंद लोगों को प्राथमिकता से टीका दिलाया तो झोपडि़यों तक कैंप लगाने के लिए खास इंतजाम किये।कोविड से हुई जंग ने हम सभी को एक बहुत बड़ी सीख दी है कि चीजों को विकेंद्रित कर रखनी है। ऊपर से नीचे तक आपूर्ति सिस्टम को मजबूत करते हुए सभी का इमपॉवर करना है। सभी को पॉवर देना है। मैन पॉवर बढ़ानी है। यह जंग कहीं एक कमांड कंट्रोल रखने से नहीं जीती जा सकती है। आज की तारीख में जब दूसरी लहर के कमजोर होने के संकेत मिल भी रहे हैं तब भी कोविड के खिलाफ जंग जीतने का एलान हम नहीं कर सकते हैं। हम इससे अभी भी कोसों दूर है और थोड़ी से लापरवाही की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

राजनीति इकबाल का खेल है

शकील अख्तर

कांग्रेस के दो ही आधार हैं। एक शक्तिशाली हाईकमान, दो उसकी डायरेक्ट जनता में अपील। अगर हाई कमान ताकतवर होता है तो कार्यकर्ता उसका मैसेज जनता तक पहुंचाने में सफल होता है। लेकिन जब वह दुविधा में होता है तो कार्यकर्ता भी हतोत्साहित हो जाता है। राहुल ने अब शायद इस बात को अच्छी तरह समझ लिया है।सिद्धू ने ग्राउन्ड शॉट मारने का एक्शन नहीं किया। मिड आन पर विजयी छक्का मारने का अंदाज दिखाया। यह वास्तव में उनकी जीत नहीं कांग्रेस नेतृत्व की धमक का इजहार था। राजनीति कैसे बदलती है यह शुक्रवार को सबने चंडीगढ़ में और फिर रविवार को जयपुर में देखा। कांग्रेस में अब राहुल गांधी को हल्के में लेने के दिन गए। राहुल का असर बाहर तो दिख रहा था। मोदी सरकार और भाजपा का मुख्य निशाना वे ही थे। मगर कांग्रेसी उन्हें स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। मगर हवा बदल गई। चंडीगढ़ के मैदान में कैप्टन अधिकारविहीन विवश बैठा था और हाईकमान का आशीर्वाद प्राप्त बैट्समेन अपने मनचाहे शाट खेल रहा था। यह मैसेज देश भर में गया। यह लाउड मैसेज (ऐलान) किस के लिए था कांग्रेस के क्षत्रपों के लिए। जो मुख्यमंत्री बनने के बाद खुद को राज्य कांग्रेस का मालिक समझने लगते हैं। जयपुर में इसका फौरन असर दिखा। राहुल के दो विश्वासपात्र महासचिव के सी वेणुगोपाल और अजय माकन के जयपुर पहुंचते ही वहां गाड़ी एक मिनट में पटरी पर आ गई। यह पार्टी का इकबाल है। राहुल अब इसको समझने लगे हैं कि राजनीति में उदारता और शराफत एक हद तक ही चलती है उसके बाद आपको अपनी ताकत दिखाना पड़ती है।सिद्धू ने अपने भाषण में कैप्टन का नाम भी नहीं लिया। और कल तक सिद्धू से मिलने से भी इंकार कर रहे कैप्टन यह बताने पर मजबूर हुए कि उन्हें राजनीति में सिद्धू के पिताजी लेकर आए थे। यह परिवर्तन कैसे आया हाईकमान के दुविधा से निकलने के बाद। जब विधायकों को स्पष्ट संकेत मिला कि पंजाब में नया नेता सिद्धू है तो उन्होंने पाला बदलने में एक मिनट भी नहीं लिया। कांग्रेस में यह नए युग की शुरूआत है। पिछले 22- 23 साल से कांग्रेस में सोनिया गांधी का शराफत वाला शासन चल रहा था। जहां हर नेता यह समझता था कि वह कुछ भी करे उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। अभी हाल में उनकी बीमारी, अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उन 23 कांग्रेस नेताओं (जी 23) ने उन्हें एक गुट बनाकर शिकायती पत्र लिखा जो यूपीए के दस साल के शासनकाल में सबसे मलाईदार मंत्रालयों के मंत्री रहे। यह हद थी। मगर सोनिया ने उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बदले उन्हें बुलाकर उनसे बात की। पद दिए। विभिनन्‍ समितियों में एडजस्ट किया। लेकिन नतीजा क्या निकला उत्तर प्रदेश में जहां प्रियंका गांधी खुद एक मुश्किल लड़ाई में कूद पड़ी हैं, वहां के नेता, जी 23 वाले जितिन प्रसाद सीधे भाजपा में चले गए। तो ऐसे में जब कांग्रेस के क्षत्रप सोनिया, प्रियंका और राहुल को ही सीधे चैलेंज कर रहे हों तो कांग्रेस के पास दो ही रास्ते बचते थे। या तो वह क्षत्रपों के सामने समर्पण कर दे या अपनी ताकत दिखा दे। कांग्रेस ने दूसरा रास्ता चुना। और यही राजनीति का रास्ता है। दरअसल कांग्रेस में हो क्या रहा था, यह हमने पिछले दिनों एक ट्वीट (थ्रेड) में कहा था। वह ट्वीट वायरल हो गया। शायद कांग्रेस की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के कारण। उसमें कहा था कि 'किसी भी राज्य में कोई क्षत्रप अपने दम पर नहीं जीतता है। गांधी नेहरू परिवार के नाम पर ही गरीब, कमजोर वर्ग, आम आदमी का वोट मिलता है। मगर चाहे वह अमरिन्दर सिंह हों या गहलोत या पहले शीला या कोई और मुख्यमंत्री बनते ही यह समझ लेते हैं कि उनकी वजह से ही पार्टी जीती। 20 साल से ज्यादा अध्यक्ष रहीं सोनिया ने कभी अपना महत्व नहीं जताया। नतीजा यह हुआ कि वे वोट लाती थीं और कांग्रेसी अपना चमत्कार समझकर गैर जवाबदेही से काम करते थे। सिद्धू को बनाकर नेतृत्व ने सही किया। ताकत बताना जरूरी था।

इन दो ट्वीटों के थ्रेड पर हमें गालियां भी मिलीं और कांग्रेस के महासचिव राजस्थान के इन्चार्ज अजय माकन द्वारा इसे रिट्वीट कर देने से राजनीतिक हंगामा भी हो गया। लोग अपने-अपने आशय भी लगाने लगे। मगर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यह अच्छा लगा। जो प्रतिक्रियाएं आईं वे बता रही थीं कि वर्कर पार्टी नेतृत्व को मजबूत देखना चाहता है। और खुद के लिए काम करने के मौके चाहता है। राजस्थान में गहलोत ने आधा समय निकाल दिया। मगर अभी तक बोर्ड और कारपोरेशनों में नियुक्तियां नहीं कीं। मंत्रिमंडल में भी 9 जगह खाली हैं और अकेले मुख्यमंत्री गहलोत 35 विभाग देख रहे हैं। जो वास्तव में ब्यूरोक्रेट चला रहे हैं। कांग्रेस हाईकमान कई बार अफसरशाही पर लगाम लगाने, नए मंत्री बनाने और बोर्ड, कारपोरेशन में कार्यकर्ताओं को नियुक्तियां देने की बात कह-कहकर थक चुका था। पिछली बार भी चार साल तक गहलोत ने नियुक्तियां नहीं की थीं। नतीजा कार्यकर्ता दुखी रहे और कांग्रेस हार गई। यह संयोग नहीं है कि 1998 से अब तक तीन बार सोनिया ने गहलोत को मुख्यमंत्री बनाया। और तीनों बार कार्यकर्ताओं की बेकद्री हुई और कांग्रेस रिपीट नहीं कर पाई।

पंजाब में भी यही हुआ। 2002 में सोनिया गांधी ने अमरिन्दर सिंह को पहली बार मुख्यमंत्री बनाया था। 2007 में कांग्रेस हारी और उसके बाद अकाली दल के प्रकाश सिंह बादल दस साल मुख्यमंत्री रहे। 1952 के बाद शुरू में कई सालों तक वहां कांग्रेस का ही शासन रहा। मगर 1977 में केन्द्र में कांग्रेस के हारने के बाद राज्यों में भी परिवर्तन हुआ। और पंजाब में अकाली दल के बादल ने। उसके बाद से वहां हर पांच साल में सरकार बदलती रही। मगर 2007 में अमरिन्दर के बाद दस साल बादल का शासन रहा। पंजाब के कांग्रेसी विधायकों की चिन्ता का मुख्य कारण यह था। अमरिन्दर पटियाला महाराज की अपनी ठसक में कार्यकर्ता और विधायकों को ही नहीं कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं को नजरअंदाज करते थे। पहले कार्यकाल में उनकी जो शिकायत थी कि वे कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के नजदीकी लोगों की भी बात नहीं सुनते, वह इस बार भी जारी रही। तो हाईकमान के नजदीकी लोगों से लेकर विधायकों, कार्यकर्ताओं की नाराजगी के बाद भी अगर कांग्रेस अमरिन्दर को उनकी सही जगह नहीं दिखाती तो उसका अस्तित्व और कमजोर हो जाता। पार्टी को अपनी अथारटी दिखाना जरूरी था। और यह फिर सबने देखा कि जैसे ही हाईकमान ने अपना इकबाल दिखाया विधायक किस तरह अमरिन्दर को छोड़कर भागे। आज कांग्रेस जितनी कमजोर है उतनी कभी नहीं रही। पार्टी इससे ज्यादा कमजोर और क्या होगी ऐसे में भी अगर कांग्रेस नेतृत्व डर कर काम करता रहा तो राज्यों में जड़ें जमाए बैठे क्षत्रप उसकी क्यों सुनेंगे पंजाब में हिम्मत भरी पहल की यही वजह है।

रोके ना रुकी भोजपुरी भासा के विकास

सन्तोष पटेल

भोजपुरी भाषा के बढ़त प्रभाव में भोजपुरी सिनेमा के योगदान आ भोजपुरी भाषा के वैश्विक पूंजीवाद से करत प्रतिवाद के प्रशंसा में साउथ एशियन भाषा के विशेषज्ञ प्रो व्हिटनी कॉक्स जे यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में एसोसिएट प्रोफेसर पदस्थापित बाड़न, लिखत बाड़न कि 'दुनिया के कई गो छोटहन-छोटहन भासा खत्म होखत जात बाड़ी सन। ओकर कारण बा बड़हन-बड़हन मीडिया के संख्या आ वैश्वविक पूंजीवाद, बाकिर एकरा में एगो प्रतिरोधी प्रवृति के उभारो भइल बा, जैसे- भोजपुरी एगो अइसन भासा बा जवन इंटरनेट के माध्यम से आपन गीत-संगीत-सिनेमा में बढ़त चलन के चलते आपन देस आ प्रवासियन के बीच बहुत लोकप्रिय हो रहल बा।

इहे बात पीएलएसआई (पीपल लिंगिविस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया) के अध्यक्ष प्रो गणेश देवी के मानल बा कि 'भोजपुरी भारत के सबसे तेजी से बढ़े वाला भासा बा बाकिर ओकर मूल राज्य उत्तर प्रदेश आ बिहार में आजो ओकरा द्वितीय राजभासा के दर्जा नइखे। एही से ओकर विकास के रुकावट आ रहल बा।'विदित होखे कि भारत सरकार के भाषा सर्वेक्षण 2011 के रपट आ गइल बा। भोजपुरी समाज में आपन भाषा के प्रति जागरण देखल जा सकेला। बहुत खुशी के बात बा बाकिर जागरण के जरूरत अभियो महसूस हो रहल बा बाकिर भोजपुरी बोलनिहार के संख्या में 1999-2001 के बनिस्पत 2001- 2011 में एक करोड़ सत्ताईस लाख अस्सी हजार के बढ़ोतरी भइल बा।2001 में भोजपुरी के पहिल मातृभाषा के रूप में 39,445 300 लोग बोलनिहार रहे, जबकि दूसरकी मातृभाषा के रूप में 74,100 लोग बोलनिहार रहल। बाकिर भाषा सर्वेक्षण आपन रपट में 37,800,000 बतवले रहे।2011 में भाषा सर्वेक्षण के रपट बतलावत बा कि भोजपुरी बोलनिहार के संख्या 50,580,000 बा। मतलब भारत के जनसंख्या के 4.18ड्ड भोजपुरी भासी बाड़न। एकरा से ई बात साबित हो रहल बा कि भोजपुरी भासी लोगन में आपन के दिसाई जागरूकता बढ़ल बा। बाकिर भारत सरकार के एकरा संवैधानिक मान्यता से अभियो वंचित रखले बिया।

जब कबो एकर मांग भइल सरकार के ओर से कवनो ना कवनो कमिटी के पेंच में एकरा के फंसा दिहल गइल। देश के संविधान लागू भइल त 14 गो भासा के संविधान के अष्टम अनुसूची में शामिल कइल गइल। तब ना कवनो मापदंड रहे, ना कवनो-कवनो कमिटी रहे। इहो सच्चाई बा कि देश के राजकाज के भासा खातिर संविधान सभा में बहुत जिरह भइल, चर्चा भइल आखिर में हिंदी राजकाज के भाषा, देवनागरी लिपि आ रोमन के संख्या तय भइल। बाबा साहेब आंबेडकर जी संविधान सभा में कहले रहीं कि - संविधान के कवनो अनुच्छेद तय करे में एतना विवाद ना भइल रहे जेतना हिंदी के सवाल पर अनुच्छेद 115 खातिर भइल।खैर हिंदी के अलावा बाकिर 13 गो भासा में कवनो प्रतिवाद ना भइल। 1967 में सिंधी भासा, 1992 में कोंकणी, मणिपुरी आ नेपाली 2004 में बोड़ो, डोगरी,मैथिली आ संथाली के संवैधानिक मान्यता मिलल। ओह बेरा ना कवनो कमिटी बनल ना कवनो मापदंड तय भइल।कहे ना होई कि भोजपुरी भासी धरती परंपरा से आंदोलन के धरती रहल बिआ बाकिर अपना भासा के, सहित्य आ संस्कृति के लेके एकरा आंदोलन के सुगबुगाहट आजादी के लड़ाई के संगे-संगे शुरू भइल। ओह आंदोलन के सूत्रधार लोग में प्रमुख रहीं - बहुभाषाविद आ बहुमुखी प्रतिभा के धनी महापंडित राहुल सांकृत्यायन, पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी, डॉ वासुदेवशरण अग्रवाल, परमेश्वरी लाल गुप्त, वगैरह। चतुर्वेदी जी सन 1934 ईस्वी में कलकत्ता के 'विशाल भारती' में एह आंदोलन के ऊपर एक लेख लिखनी।भोजपुरी के पक्ष में सबसे पहले सुगबुगाहट त 10 मार्च 1940 में कुंडेश्वर (टीकमगढ़) में आयोजित ब्रज आर बुंदेलखंड से आइल कार्यकर्ता लोगन के बैठक से भइल।

बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट से कुश्ती में पदक की उम्मीद, रवि दाहिया भी मजबूत दावेदार

टोक्यो (एजेंसी)। भारत के सात पहलवान टोक्यो खेलों में जब अपने अभियान की शुरुआत करेंगे तो सभी की नजरें बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट पर टिकी होंगी, जिन्होंने ओलंपिक से पहले शानदार प्रदर्शन करके पदक की उम्मीदें जगाई हैं। कुश्ती में भारत के अभियान की शुरुआत मंगलवार को सोनम मलिक करेंगी। कुश्ती में भारत को तीन पदक की उम्मीद है और अगर पहलवान तीन पदक जीतने में नाकाम रहते है तो इसे कमतर प्रदर्शन माना जाएगा। बजरंग (65 किग्रा फ्रीस्टाइल) और विनेश (महिला 53 किग्रा) के अलावा रवि दाहिया (57 किग्रा फ्रीस्टाइल) से अगले कुछ दिनों में कुश्ती के मैट पर पदक जीतने की उम्मीद है। भारत की ओर से 19 साल की सोनम सबसे पहले महिला 62 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करने उतरेंगी। उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू से भिड़ना है।

सोनम और 19 साल की एक अन्य पहवान अंशू मलिक दोनों सीनियर सर्किट पर नई खिलाड़ी है और ऐसे में विरोधी खिलाड़ियों को उनके खेल की अधिक जानकारी नहीं है और भारतीय पहलवान विरोधियों को हैरान कर सकती हैं। अंशू ने अच्छा प्रदर्शन किया है और उनके खेल में लगातार सुधार हो रहा है। इन दोनों ही खिलाड़ियों पर कोई दबाव नहीं है और अगर ये पदक के बिना भी लौटती हैं तो इन्हें भविष्य में यहां मिलने वाले अनुभव से फायदा ही होगा।

सीनियर पहलवान विनेश अपनी स्पर्धा में शीर्ष वरीय पहलवान के रूप में उतरेंगी और जापान की मायू मुकाइदा के अलावा वह सभी विरोधियों को हराने में सक्षम है।

विनेश के वर्ग में प्रतिस्पर्धा हालांकि काफी कड़ी होगी। विनेश का डिफेंस बेहतर हुआ है और उनकी पलटवार करने की क्षमता का कोई सानी नहीं है। उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप में खिताब जीतने के दौरान इसे दिखाया भी है।

एशियाई चैंपियनशिप और अन्य प्रतियोगिताओं में हालांकि जापान और चीन की पहलवानों ने हिस्सा नहीं लिया था। पुरुष वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुआई बजरंग करेंगे जो विश्व स्तर पर काफी सम्मानित पहलवान हैं। बजरंग ने अपने पिछले 10 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में छह स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक जीता है। बजरंग का स्टेमिना उनका पलड़ा भारी करता है लेकिन उनके पैर के डिफेंस की परीक्षा होगी। उनके वर्ग में काफी कड़ी प्रतिस्पर्धा है और कम से कम पांच से छह पहलवान स्वर्ण पदक जीतने में समक्ष हैं। रवि भी पदक के दावेदार हैं। उनके पास मजबूती और स्टेमिना है जबकि उनका तकनीकी पक्ष भी मजबूत है।

उनके अपने अधिकतर मुकाबले तकनीकी दक्षता के आधार पर जीते हैं। उनके वर्ग में रूस ओलंपिक समिति के जावुर उगयेव और तुर्की के सुलेमान अतली मजबूत प्रतिद्वंद्वी है। प्रतियोगिता में खेलने का समय मिलने के लिहाज से दीपक पूनिया (86 किग्रा फ्रीस्टाइल) संभवतः पूरी तैयारी के साथ नहीं उतर रहे। विश्व चैंपियनशिप 2019 के रजत पदक विजेता दीपक ने विश्व कप 2020 के बाद से प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। वह बाईं कोहनी की चोट से उबर रहे थे और पोलैंड ओपन से उन्होंने नाम वापस ले लिया। ओलंपिक से पहले पोलैंड ओपन आखिरी प्रतियोगिता थी।

दुती चंद ने निकाला सीजन का बेस्ट टाइम, लेकिन नहीं बना सकी सेमीफाइनल में जगह

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार धाविका दुती चंद टोक्यो ओलम्पिक के एथलेटिक्स मुकाबलों में सोमवार को महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालने के बावजूद सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकीं। दुती ने 23.85 सेकंड का समय निकाला लेकिन सीजन का अपना सबसे बेहतरीन समय निकालने के बावजूद हीट में सातवें और आखिरी स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकीं। 25 साल की दुती का 200 मीटर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23.00 सेकंड रहा है जो उन्होंने 2018 एशियाई खेल जकार्ता में बनाया था। हर हीट से टॉप तीन सबसे तेज धावक और सात रेसों में अगले तीन सबसे तीन तेज धावक सेमीफाइनल में जगह बनाते हैं। इससे पहले दुती अपनी पसंदीदा 100 मीटर दौड़ में भी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थीं। वे अपनी हीट में 11.54 सेकेंड का समय लेकर सातवें स्थान पर रही थीं। दुती 100 मीटर में भी अपने सर्वश्रेष्ठ समय के करीब नहीं पहुंच पाई थीं जो कि 11.17 सेकेंड का है। यह नेशनल रिकॉर्ड भी है। उन्होंने 100 मीटर में विश्व रैंकिंग के आधार पर टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।दुती 41 प्रतिभागियों के बीच कुल 38वें स्थान पर रहीं और इस तरह से उनके ओलंपिक अभियान का निराशाजनक अंत हुआ। दुती का सर्वश्रेष्ठ समय 23 सेकेंड का है जो उन्होंने एशियाई खेल 2018 में निकाला था। तब उन्होंने रजत पदक जीता था। ओडिसा की धाविका सेमीफाइनल में पहुंचने के लक्ष्य के साथ ओलंपिक में आई थीं लेकिन वे उसे भी हासिल नहीं कर पाईं। उन्होंने विश्व रैंकिंग के आधार पर 200 मीटर के लिए भी क्वालीफाई किया था, क्योंकि वह 22.80 सेकेंड के क्वालीफाईंग मार्क को हासिल करके स्वतः प्रवेश नहीं कर पाई थीं।

बारिश से प्रभावित डिस्कस थ्रो के फाइनल में छठे स्थान पर रहीं कमलप्रीत कौर

टोक्यो (एजेंसी)। भारतीय चक्काफेंक खिलाड़ी कमलप्रीत कौर टोक्यो ओलंपिक में वर्षाबाधित फाइनल में 63.70 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो लगाकर छठे स्थान पर रहीं। शनिवार को क्वालीफाइंग दौर में दूसरे स्थान पर रहीं कमलप्रीत आठ दौर के फाइनल में कभी भी पदक की दौड़ में नहीं रहीं। बारिश के कारण मुकाबला एक घंटे तक बाधित रहा। कमलप्रीत ने तीसरे दौर में 63.70 मीटर का थ्रो फेंका और छठे स्थान पर रहीं।

इससे पहले 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा पूनिया भी लंदन ओलंपिक 2012 में छठे स्थान पर रही थीं। अपने निजी कोच के बिना आई कमलप्रीत पूरे फाइनल में नर्वस नजर आई। अभी तक वे एकमात्र इंटरनेशनल टूर्नामेंट विश्व यूनिवर्सिटी खेल 2017 में भाग ले पाई हैं और उनमें आत्मविश्वास का अभाव दिख रहा था।पंजाब के काबरवाला गांव के एक किसान की बेटी कमलप्रीत ने शनिवार को 64 मीटर का थ्रो लगाकर पदक की उम्मीद जगाई थी। अमेरिका की वालारी आलमैन 68.98 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण, जर्मनी की क्रिस्टीन पुडेंज को रजत और मौजूदा वर्ल्ड चैम्पियन क्यूबा की येमे पेरेज को कांस्य पदक मिला। दो बार की गत चैम्पियन क्रोएशिया की सैंड्रा पेरकोविच चौथे स्थान पर रहीं।

फैन्स को आई 'चक द इंडिया' मूवी की याद

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहली बार सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में इतिहास रचा दिया है। टीम ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तीन बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारत की तरफ से अहम मुकाबले में एकमात्र गोल गुरजीत कौर ने किया। कप्तान रानी रामपाल की अगुवाई में इस ऐतिहासिक जीत के बाद सोशल मीडिया पर टीम को जमकर बधाइयां मिल रही हैं और फैन्स भारतीय टीम से सेमीफाइनल में भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। भारत की टीम मैच की शुरुआत से ही कंगारू टीम पर हावी नजर आई और एक के बाद गोल के मौके बनाए। टीम की ओर से मुकाबले के 22वें मिनट में गुरजीत कौर के हाथों सफलता लगी। गुरजीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर मैच का पहला और एकमात्र गोल दागा। टीम इंडिया की गोलकीपर सविता ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया टीम के गोल करने के कई प्रयासों को विफल किया। भारतीय टीम मास्को ओलंपिक 1980 में चौथे स्थान पर रही थी लेकिन केवल छह टीमों ने हिस्सा लिया था और मैच राउंड रोबिन आधार पर खेले गये थे। भारतीय हॉकी टीम अपने पूल में साउथ अफ्रीका को आयरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराकर चौथे स्थान पर रही थी, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने अपने पूल में टॉप पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका पर 4-3 की जीत और बाद में मौजूदा चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन की आयरलैंड पर 2-0 की विजय से शनिवार को 41 वर्षों में पहली बार ओलंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम की खिलाड़ी वंदना कटारिया ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए लगातार तीन गोल दागकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वंदना ओलंपिक में भारत की तरफ से गोलों की हैट्रिक लगाने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं थीं। हॉकी टीम की फॉर्म को देखते हुए फैन्स सेमीफाइनल में भी इस टीम से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे।

भारतीय गोल्फर लाहिड़ी को पेरिस ओलंपिक में पदक की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी को उम्मीद है कि यदि वह 2024 के पेरिस ओलंपिक में जगह बनाते हैं तो तीसरी बार भाग्य उनका साथ देगा और वह पदक जीतने में सफल रहेंगे। लाहिड़ी ने टोक्यो ओलंपिक में चार अंडर 67 के शानदार प्रदर्शन से शुरुआत की थी लेकिन आखिर में उन्हें 42वें स्थान से संतोष करना पड़ा। यह उनका दूसरा ओलंपिक था। भारत के दूसरे गोल्फर उदयन माने 60 गोल्फरों में 56वें स्थान पर रहे थे। लाहिड़ी ने कहा, 'बेहद निराशाजनक। पहले दिन के बाद मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया। पहले दौर सहित हर दिन मेरी शुरुआत अच्छी नहीं रही और बीच में भी मैंने कुछ अवसरों पर खराब खेल दिखाया। ईमानदारी से कहूं तो मैंने अपना बेस्ट खेल नहीं दिखाया। यह निराशाजनक है क्योंकि आपको यह मौका चार वर्षों में एक बार मिलता है और इस बार तो पांच साल में ऐसा हुआ। उम्मीद है कि तीन साल बाद मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा। आपको जो भी मौका मिले उसका फायदा उठाना चाहिए।अगला ओलंपिक खेल 2024 में पेरिस में होंगा। ओलंपिक में डेब्यू कर रहे माने को पता है कि उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गोल्फरों की बराबरी करने के लिए अपनी तरफ से बेस्ट प्रयास करने होंगे।

निशानेबाजी में ऐश्वर्य और राजपूत फाइनल में जगह बनाने में नाकाम

टोक्यो (एजेंसी)। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और संजीव राजपूत सोमवार को पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे जिससे रियो ओलंपिक के बाद टोक्यो ओलंपिक से भी भारतीय निशानेबाजों का खाली हाथ लौटना तय हो गया। ऐश्वर्य असाका निशानेबाजी रेंज में नीलिंग में 397, प्रोन में 391 और स्टैंडिंग में 379 अंक से कुल 1167 अंक जुटाकर 21वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गए।अनुभवी निशानेबाज राजपूत ने भी निराश किया और नीलिंग में 387, प्रोन में 393 तथा स्टैंडिंग में 377 अंक से कुल 1157 अंक जुटाए। वह 39 निशानेबाजों के बीच 32वें स्थान पर रहते हुए क्वालीफिकेशन से ही बाहर हो गए।

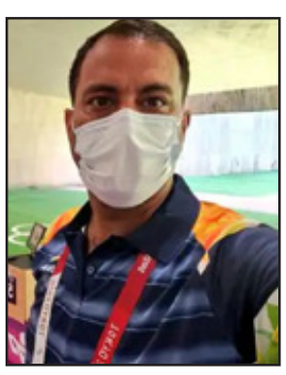

पचास मीटर राइफल थ्री पोजीशन में नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग तीनों वर्ग की 10-10 निशानों की चार-चार सीरीज होती है। निशानेबाज प्रत्येक सीरीज में अधिकतम 100 अंक हासिल कर सकता है। क्वालीफिकेशन के बाद शीर्ष आठ निशानेबाज फाइनल में जगह बनाते हैं। इसके साथ ही भारतीय निशानेबाजों का टोक्यो ओलंपिक से बिना पदक जीते लौटना भी तय हो गया। भारतीय निशानेबाज पांच साल पहले रियो ओलंपिक में भी एक भी पदक नहीं जीत पाए थे। भारत ने लंदन 2012 ओलंपिक में विजय कुमार के रजत और गगन नारंग के कांस्य पदक के रूप में दो पदक जीते थे।

संसद के दोनों सदनों ने ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान में जारी टोक्यो ओलंपिक खेलों के नौवें दिन जहां बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने कांस्य पदक अपने नाम किया तो, वहीं सोमवार को 10वें दिन भी भारत ने इन खेलों में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने तीन बार की चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। सिंधु व्यक्तिगत स्पर्धा में लगातार दो ओलंपिक जीतने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी बन गई है। सिंधु और भारतीय महिला हॉकी टीम की इस उपलब्धि पर सोमवार को संसद के दोनों सदनों में बधाई दी गई। लोकसभी अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा के सदस्यों की ओर से सिंधु को बधाई देते हुए कहा,' इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सदन की ओर से मैं उन्हें बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि उनकी उपलब्धि इस देश के युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी।'

उन्होंने अपने एक अन्य ट्वीट में सिंधु को बधाई देते हुए कहा, ' मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पीवी सिंधु ने ओलंपिक खेलों में बैडमिंटन महिला एकल में भारत के लिए कांस्य पदक जीता है। यह उनका लगातार दूसरा ओलंपिक पदक है। वह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने कहा, ' मैं ?पीवी सिंधु को टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के लिए बधाई देता हूं। अपने शानदार प्रदर्शन से उन्होंने दो ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया है।'टोक्यो ओलंपिक खेलों के नौवें दिन सिंधु ने ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेले गए मुकाबले में चीन की ही बिंग जियाओ को सीधे गेम में 21-13, 21-15 से मात दी। सिंधु ने चीन की खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट आसानी के साथ जीता, लेकिन दूसरे सेट में उन्हें जीतने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। इस जीत के साथ ही सिंधु भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने लगातार दो ओलंपिक खेलों में देश के लिए पदक जीता है। भारतीय हॉकी टीम अपने पूल में साउथ अफ्रीका को आयरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराकर चौथे स्थान पर रही थी, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने अपने पूल में टॉप पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। टीम क्वार्टर फाइनल की शुरुआत से ही कंगारू टीम पर हावी नजर आई और एक के बाद गोल के मौके बनाए। टीम की ओर से मुकाबले के 22वें मिनट में गुरजीत कौर के हाथों सफलता लगी। गुरजीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर मैच का पहला और एकमात्र गोल दागा। टीम इंडिया की गोलकीपर सविता ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया टीम के गोल करने के कई प्रयासों को विफल किया। भारतीय टीम मास्को ओलंपिक 1980 में चौथे स्थान पर रही थी लेकिन केवल छह टीमों ने हिस्सा लिया था और मैच राउंड रोबिन आधार पर खेले गये थे।

सिर में बॉल लगने से पहले टेस्ट से बाहर हुए मयंक अग्रवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल प्रैक्टिस सेशन के दौरान टीम के साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की शॉर्ट गेंद सिर पर लगने के कारण बुधवार से शुरू होने वाले इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट से बाहर हो गए। इंग्लैंड दौरे पर गए भारतीय गेंदबाजों में सिराज सबसे तेज गेंदबाजी करते है। प्रैक्टिस के समय मयंक ने उनकी शॉर्ट गेंद से नजरें हटा लीं, जिसके बाद गेंद उनकी सिर के पिछले हिस्से में हेलमेट से टकरा गई। भारतीय टेस्ट उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मयंक के सिर में चोट लगी है।

रहाणे ने कहा, 'मयंक अग्रवाल के सिर में चोट लगी है। डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। अन्य सभी खिलाड़ी फिट हैं।'

मयंक हेलमेट खोलने के बाद कुछ असहज महसूस कर रहे थे और फिर फिजियो नितिन पटेल उनके साथ जमीन पर बैठे गए। इसके बाद वे सिर के पिछले हिस्से पर हाथ रखकर पटेल के साथ नेट से बाहर निकल गए। मयंक की गैरमौजूदगी में लोकेश राहुल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर मौका मिल सकता है।

राहुल ने ज्यादातर टेस्ट मैचों में पारी का आगाज किया है लेकिन इन दिनों वह मिडिल ऑर्डर में खेलना पसंद करते हैं। टीम में सलामी बल्लेबाजी का एक और विकल्प बंगाल के अभिमन्यु ईश्वरन है। टीम में हालांकि हनुमा विहारी को भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर मौका मिल सकता है। विहारी ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते है और अगर वे सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम में शामिल होते हैं तो बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को भी प्लेइंग इलेवन में चुना जा सकता है।

भारतीय पेस अटैक के फैन हुए दिग्गज गेंदबाज ब्रेट ली, बोले- 20 साल तक कायम रह सकता है जलवा

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि भारतीय की फास्ट बॉलिंग डिपार्टमेंट में इतनी प्रतिभा है कि वे मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह जैसे टॉप गेंदबाजों की जगह ले सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस महान खिलाड़ी को लगता है कि हाल के सालों में भारत की सफलता के लिए बेंच स्ट्रेंथ महत्वपूर्ण रही है। ली ने कहा कि, 'भारतीय बॉलिंग आक्रमण के बारे में मैं एक शब्द कह सकता हूं कि वह शानदार हैं। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट से कहा, 'उनके पास अनुभवी गेंदबाज हैं और कुछ अच्छे युवा खिलाड़ी हैं।

टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले विराट कोहली ने बताया, कैसे मिलेगी अंग्रेजों के खिलाफ जीत

नॉटिंघम (एजेंसी)। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने सोमवार को कहा कि इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के लिए अथक प्रयास और पूरी तरह से उत्कृष्टता हासिल करने पर ध्यान देना जरूरी है। कोहली की अगुवाई में भारतीय टीम जो रूट की कप्तानी वाली इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसका आगाज बुधवार को पहले टेस्ट से होगा। उन्होंने भारतीय विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के सवाल पर 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा, 'पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में हमें हर दिन अथक प्रयास के साथ उत्कृष्टता हासिल करने पर ध्यान देना जारी रखना होगा। यहां आपको खुद से यह कहना होगा कि आप कड़ी मेहनत करना चाहते

है और ऐसी परिस्थितियों का सामना करना चाहते हैं जो हर दिन हर टेस्ट मैच में कठिन होती हैं।'

भारतीय कप्तान ने कहा कि, 'आपको इस तरह के कार्यभार के लिए मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा।' कोहली के लिए व्यक्तिगत रूप से, इंग्लैंड में जीतना कहीं और जीतने से ज्यादा बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि, 'मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यहां टेस्ट मैच या टेस्ट सीरीज जीतने से ज्यादा कुछ नहीं है।' मौजूदा दौर में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल कोहली ने कहा कि, 'हम मैदान पर कदम रखते हैं और हम प्रतिस्पर्धा करते हैं। हम हर टेस्ट मैच जीतना चाहते हैं।

अनाथ हुए सभी बच्चों का सहारा बनेगी योगी सरकार

हर महीने मिलेंगे 2500 रुपये, 23 वर्ष तक आर्थिक सहायता

लखनऊ (एजेंसी)। राज्य सरकार ने अब प्रदेश के अनाथ बच्चों को आर्थिक मदद देने का निणन्य लिया है।

'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य)' के तहत ऐसे किशोरों को भी मदद मिलेगी जो किसी भी कारण से अनाथ या प्रभावित हुए हों या फिर भिक्षावृत्ति, बाल वेश्यावृत्ति आदि से मुक्त हुए हों। कोविड संक्रमण या अन्य कारणों से अनाथ या प्रभावित हुए 18 वर्ष से कम और 18 से 23 वर्ष के किशोरों व युवाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह की मदद दी जाएगी। इस संबंध में सोमवार को कैबिनेट बाईसर्कुलेशन में निणन्य लिया गया है। इस योजना का लाभ परित्यक्त व तलाकशुदा महिलाओं के बच्चों को भी दिया जाएगा।

अभी लगभग 4500 बच्चों को 'मुख्यमंत्री बाल विकास योजना' के तहत 4000 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं, जिन्होंने कोविड संक्रमण के कारण अपने माता-पिता या किसी एक अभिभावक को खो दिया है। अब इस नई योजना में उन बच्चों को भी शामिल किया गया है जो किसी भी कारण से अनाथ या प्रभावित हुए हों। योजना में 18-23 वर्ष तक के किशोरों-युवाओं को भी मदद दी जाएगी।

इस योजना का लाभ एक परिवार के अधिकतम दो बच्चों को मिल सकेगा। कक्षा 12 की शिक्षा के बाद आगे की पढ़ाई में 23 वर्ष तक इस योजना का लाभ दिया जाएगा। यदि प्रभावित युवा का डिप्लोमा 23 साल से पहले पूरा होगा तो लाभ तभी तक मिलेगा। योजना के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों के दृष्टिगत योजना में संशोधन एवं परिवर्तन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया है। ऐसा किशोर जो कक्षा 12 तक शिक्षा पूरी करने के बाद सरकारी कॉलेज, विवि या तकनीकी संस्थान से सनतक डिग्री या डिप्लोमा की शिक्षा ले रहा हो या फिर नीट, जेईई, क्लैट जैसी राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण कर चुका हो। ऐसे किशोर या युवा जिनकी मां तलाकशुदा स्त्री या परित्यक्ता है या फिर माता-पिता या परिवार का मुख्य सदस्य जेल में हो या फिर ऐसे बच्चे जिन्हें बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति/बाल वेश्यावृत्ति से मुक्त कराकर परिवार/पारिवारिक वातावरण में समायोजित कराया गया हो। भिक्षावृत्ति/वेश्यावृत्ति में शामिल परिवारों के बच्चे

फ्री राशनः पांच अगस्त को यूपी में 80 लाख राशन कार्ड धारकों को बंटेगा मुफ्त में गेहूं और चावल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार 05 अगस्त को प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा राशन वितरण कार्यक्रम करने जा रही है। इस दिन 80 लाख राशन कार्ड धारकों को 80 हजार दुकानों से अनाज बंटेगा।

पहली बार इतनी बड़ी संख्या में किये जा रहे राशन विरतण कार्यक्रम में प्रत्येक राशन की दुकान पर 100 राशन कार्ड धारकों को राशन बांटा जाएगा। इतना ही नहीं इसी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उत्तर प्रदेश के 80 हजार स्थानों पर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अनन्न योजना के लाभाथिर्यों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दौरान राशन कार्ड धारकों, जन प्रतिनिधियों, बोर्ड व निगमों के पदाधिकारियों से बातचीत करेंगे। योजना के तहत मिले लाभ से उनके जीवन में आए बदलाव की जानकारी भी लेंगे। उनकी अन्य समस्याओं को भी उनसे साझा करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 05 अगस्त को होने वाले इस महत्वूर्पण कार्यक्रम के लिये टीम-9 के अधिकारियों से प्रदेश में तैयारियां तेज करने को कहा है। सेक्टर प्रणाली के आधार पर सभी जरूरी प्रबंध करने के निर्देश दिये हैं। अधिकारियों से ज्यादा से ज्यादा टेलीविजन सेट, वीडियो वॉल लगवाने को कहा गया है जिससे अधिक से अधिक लोग प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें।

केंद्र सरकार की ओर से 'प्रधानमंत्री गरीब अनन्न कल्याण योजना' के तहत नवम्बर तक और राज्य सरकार की ओर से अगस्त तक मुफ्त राशन दिया जाना है। 25 करोड़ की आबादी वाले राज्य यूपी के 14.81 करोड़ लाभाथिर्यों को हर माह निशुल?क राशन दिया जा रहा है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से पिछले साल अप्रैल से नवंबर तक और इस साल मई से जुलाई तक करीब 09 करोड़ 99 लाख 97 हजार 815 कुंतल निशुल्क राशन बांट दिया गया है। केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से 16 महीने तक प्रति यूनिट पांच किलो राशन दिया गया, एक व्यक्ति को 80 किलो राशन अभी तक दिया जा चुका है।

कोरोना से जंग में झटका, जॉनसन ने वापस लिया भारत में वैक्सीन की मंजूरी का आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी टीकों के आयात से भारत के टीकाकरण अभियान की धीमी रफ्तार को जुलाई और अगस्त माह में थोड़ी तेजी मिलने की संभावना के बीच एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल, जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी ने अपनी कोविड-19 वैक्सीन को भारत में जल्द-से-जल्द मंजूरी दिलवाने के लिए दिए आवेदन को वापस ले लिया है।

भारतीय दवा नियामक ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, कंपनी ने यह आवेदन वापस लेने के पीछे अभी तक कोई कारण नहीं बताया है।अमेरिकी कंपनी ने इसी साल अप्रैल में अपनी कोविड-19 वैक्सीन के भारत में ट्रायल के लिए आवेदन दिया था। हालांकि, उस समय खून के थक्के बनने की शिकायतों के बाद अमेरिका में इसका ट्रायल बंद था। जॉनसन कंपनी ने यह आवेदन ऐसे समय में वापस लिया है जब भारत पहले ही नुकसान की भरपाई से छूट जैसे कुछ मुद्दों पर विदेशी वैक्सीन निर्माताओं के साथ कानूनी मामले सुलझाने में जुटा हुआ है। बीते हफ्ते ही स्वास्थ्य एवं परिवारण कल्याण राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने कहा था कि वैक्सीन निर्माताओं के साथ सभी मुद्दे सुलझाने के लिए एक टीम गठित की गई है। उन्होंने कहा था कि यह टीम फाइजर, मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन के साथ लगातार कई मुद्दों पर चर्चा कर रही है।

परीक्षा केंद्र पर गड़बड़ी मिली तो तत्काल कार्रवाई होगी : डॉ. दिनेश शर्मा

लखनऊ (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से कराई जाने वाली संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की ओर से कराई जाने वाली टीजीटी व पीजीटी भर्ती परीक्षा में कोई भी अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वह नकल विहीन संपनन्न कराए जाने के संबंध में सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग कर रहे थे। योजना भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. शर्मा ने प्रदेश के सभी कुलपतियों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों, संयुक्त शिक्षा निदेशकों तथा जिला विद्यालय निरीक्षकों को परीक्षाओं के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छह अगस्त को प्रस्तावित बीएड प्रवेश परीक्षा, सात व आठ अगस्त को प्रस्तावित टीजीटी भर्ती परीक्षा और 17 व 18 अगस्त को प्रस्तावित पीजीटी की भर्ती परीक्षा को शुचितापूर्ण एवं नकल विहीन ढंग से संपादित कराई जाए।

उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी परीक्षा केंद्र से परीक्षा की शुचिता से संबंधित अप्रिय घटना नहीं होनी चाहिए। परीक्षा केंद्र पर अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह निर्देश भी दिया कि कोविड-19 के कारण बदली हुई परिस्थितियों में सामाजिक दूरी तथा फर्नीचर आदि के सैनेटाइजेशन की व्यवस्था की जाए।अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि असामाजिक तत्वों तथा संवेदनशील परीक्षा केंद्रों का चिह्नीकरण लिया जाए और उन पर विशेष निगरानी रखी जाए। परीक्षाओं के आयोजन के संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता की शिकायत पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका गर्ग, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला, एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा सुभाष चंद्र शर्मा तथा एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम मोदी के सलाहकार अमरजीत सिन्हा ने दिया इस्तीफा, पीएमओ छोड़ने वाले साल के दूसरे बड़े अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सलाहकार अमरजीत सिन्हा ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। हालांकि, इसकी लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है, लेकिन हिन्दुस्तान टाइम्स ने प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों से इसकी पुष्टि की है।

सिन्हा ने इस्तीफे को लेकर एचटी के सवालों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। सिन्हा 1983 बैच के बिहार कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। पिछले साल फरवरी में उन्हें पीएम मोदी का सलाहकार नियुक्त किया गया था। इस्तीफे के पीछे की वजह अभी साफ नहीं है। इस साल पीएमओ से यह दूसरा अहम इस्तीफा है। इसी साल मार्च में प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके सिन्हा ने पद त्याग दिया था।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव के रूप में रिटायर होने के बाद सिन्हा को सलाहकार नियुक्त किया गया था। तीन दशक के करियर में सिन्हा शिक्षा और पंचायती राज मंत्रालय के अहम पदों पर रहे। वह ग्रामीण विकास के मामलों के एक्सपर्ट हैं। नेशनल रूरल हेल्थ मिशन और सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजनाओं में उनकी भूमिका अहम रही। सिन्हा ने लाल बहादुर शास्त्री नेशनल अकैडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में भी सेवा दे चुके हैं।

शुभेंदु अधिकारी के करीबी पर एचसी का ममता सरकार को आदेश

तुरंत करो रिहा, इजाजत के बिना ना हो एफआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किए गए बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी राखल बेरा को अदालत ने तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

यही नहीं कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार से कहा है कि उनके खिलाफ आगे कोई भी एफआईआर दाखिल नहीं होनी चाहिए। यदि ऐसा करना है तो फिर उसके लिए कोर्ट से परमिशन लेनी होगी। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष हैं और अकसर टीएमसी सरकार के निशाने पर रहते हैं। एक दौर में ममता बनर्जी के सिपहसालार रहे शुभेंदु ने नंदीग्राम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था और ममता बनर्जी को उनके सामने हार का सामना करना पड़ा था।

जून में पश्चिम बंगाल पुलिस ने सुजीत डे नाम के शख्स की ओर से दायर शिकायत आधार पर राखल बेरा को गिरफ्तार किया गया था। डे ने अपनी शिकायत में राखल बेरा और कुछ अन्य लोगों पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उनके साथ सरकारी नौकरी का वादा कर ठगी की गई थी। उन्हें सिंचाई एवं वाटरवेज डिपार्टमेंट में नौकरी दिलाने का वादा किया गया था। शिकायत में कहा गया था कि राखल बेरा ने कोलकाता की एक सोसायटी में स्थित फ्लैट में एक कैंप आयोजित किया था। इसमें लोगों से नौकरियों का वादा किया गया था। जुलाई 2019 से सितंबर 2019 के दौरान यह कैंप लगा था।

कोरोना के साथ-साथ अब जीका वायरस ने बढ़ाई टेंशन, केंद्र ने महाराष्ट्र भेजी हाई लेवल टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के साथ-साथ जीका वायरस भी तेजी से पैर पसार रहा है। कर्नाटक के बाद अब महाराष्ट्र में भी इस खतरनाक वायरस की एंट्री हो गई है। जीका वायरस की स्थिति पर नजर रखने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्राल ने सोमवार को एक हाई लेवल टीम को महाराष्ट्र भेजा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने टीम भेजने का फैसला महाराष्ट्र के पुणे में जीका वायरस का पहला मामला मिलने के बाद लिया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हाल में पुणे जिले में जीका वायरस का एक मामला सामने आया है। तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम में क्षेत्रीय निदेशक, पुणे के कार्यालय से एक जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली से एक स्त्री रोग विशेषज्ञ और राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर), आईसीएमआर, नई दिल्ली से एक कीट विज्ञानी (एंटोमोलॉजिस्ट) शामिल हैं। बयान के अनुसार टीम राज्य के स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर काम करेगी, जमीनी हालात का जायजा लेगी और आकलन करेगी कि क्या जीका प्रबंधन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की कार्य योजना लागू की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह टीम राज्य में जीका वायरस के मामलों के प्रबंधन के लिए आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की भी सिफारिश करेगी।

पेगासस के जरिए चीन रोक रहा है भारत की तरक्की का रास्ता, वेबिनार का वीडियो जारी कर आरएसएस ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेगासस सॉफ्टवेयर के जरिए भारत में जासूसी के पीछे किसका हाथ है, इस पर सरकार की तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं जारी हुआ है। इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें उसने पेगासस से जुड़े मिथकों को दूर करने का दावा किया है। इसमें बताया गया है कि कैसे पेगासस अन्य देशों की मदद कर रहा है और कैसे चीन इसकी सहायता से भारत की तरक्की रोक रहा है। गौरतलब है कि भारत में पेगासस जासूसी का मुद्दा काफी चर्चा में है। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सदन कार्यवाही भी नहीं चलने दे रहा है। वहीं कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल लगातार इस पर सरकार से जवाब मांग रहे हैं।

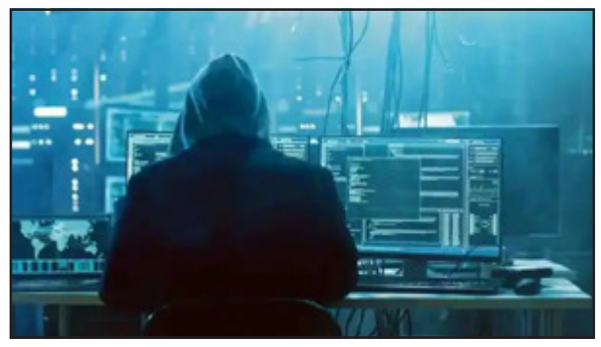

यह वीडियो एक वेबिनार का है और इसे आरएसएस के विश्व संवाद केंद्र द्वारा दक्षिण बंगाल में यूट?यूब पर रिलीज किया गया है। न्यूज 18 की खबर के मुताबिक बंगाल में आरएसएस के वरिष्ठ नेता बिप्लब रॉय ने कहा कि इसके पीछे बुनियादी विचार यही है कि लोगों को पेगासस के पीछे की असली मंशा बताई जाए। चीन जैसी विदेशी ताकतें कैसे पेगासस का इस्तेमाल अपने हितों के लिए कर रही है यह भी स्पष्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि हम इस बात नहीं पड़ रहे है कि क्या सही और क्या गलत। बस हम लोगों को पेगासस और इसके पीछे की साजिश के बारे में जागरूक करना चाहते हैं। वीडियो में हमने उनकी तरफ इशारा किया है, जिन्हें पेगासस की साजिश से लाभ पहुंच सकता है। यह कुछ मीडिया माफिया हो सकते हैं। हमारे देश से दूर के कुछ बिजनेसमैन हो सकते हैं। अर्बन नक्सली हो सकते हैं या चीन जैसी विदेशी ताकतें हो सकती हैं जो भारत के विकास में बाधा डालना चाहती हैं।

पहली बार तालिबान के बढ़ते हमलों को लेकर अमेरिका पर बरसे राष्ट्रपति अशरफ गनी

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश में तालिबान की ओर से लगातार बढ़ रही हिंसा के लिए अमेरिका को जिम्मेदार करार दिया है। यह पहला मौका है, जब उन्होंने देश में हिंसा के लिए अमेरिका को लेकर कुछ कहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिकों की तेजी से वापसी के चलते देश में लगातार हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार अब सूबों की राजधानी और शहरी इलाकों की रक्षा करने का काम करेगी। इसके साथ ही अशरफ गनी ने अफगानिस्तान के नेताओं से कहा कि वे तालिबान से जंग में जुटी सेना का समर्थन करें।

अशरफ गनी से संसद में अपने संबोधन में कहा, 'एक आयातित और जल्दीबाजी की शांति प्रक्रिया के चलते संदेह पैदा हुआ है। अमेरिका की ओर से काबुल तालिबान के बीच बातचीत का दबाव डाला गया, जो न सिर्फ असफल रहा है बल्कि उससे मुश्किलें बढ़ी हैं।' संसद के आपातकालीन सत्र में हिस्सा लेने के लिए हेलीकॉप्टर से पहुंचे अशरफ गनी ने कहा कि तालिबान की शांति प्रक्रिया को बहाल रखने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगले 6 महीनों में हमारे प्रयासों के चलते स्थिति में सुधार देखने को मिल सकता है। उन्होंने दावा किया कि अफगान फोर्सेज उपद्रवियों को रोकने में सक्षम हैं। बीते कुछ सप्ताह में अफगान फोर्सेज को कई शहरों में तालिबान से मार झेलनी पड़ी है। हेरात, लाशर गाह जैसे शहरों पर तालिबान ने कब्जा जमाया है। अफगानिस्तानी सेना के प्रवक्ता जनरल अजमल उमर शिनवारी ने कहा कि दक्षिणी और पश्चिमी अफगानिस्तान के तीन सूबों में सुरक्षा की स्थितियां काफी कठिन हैं।

खत्म होने की कगार पर ढाई करोड़ की आबादी का यह शहर, क्लाइमेट चेंज का कहर

लागोस (एजेंसी)। कारें और घर पानी में डूब गए हैं। कहां नाली है और कहां बारिश का पानी है, यह अंतर पता नहीं चलता। लोग इस बात का अनुमान लगाने में बिजी हैं कि आखिर बाढ़ के चलते उनकी प्रॉपर्टी का कितना नुकसान हुआ है। यह हाल है अफ्रीका के सबसे ज्यादा आबादी वाले और नाइजीरिया के फाइनेंशियल सेंटर लागोस का। बारिश के मौसम में बीते कई सालों से यहां बुरा हाल हो जाता है। मार्च से नवंबर महीनों के दौरान इस शहर में बाढ़ के हालात रहते हैं और जीना मुहाल हो जाता है। खासतौर पर जुलाई और अगस्त के आसपास संकट और गहरा हो जाता है।

लागोस के 32 वर्षीय शख्स एसेलेबोर ओसेलुनामहेन ने सीएनएन से बातचीत में कहा कि मै बड़ी मुश्किल से अपने घर से निकल पाया हूं। बाढ़ के चलते सड़कों पर काफी ट्रैफिक रहता है। हम जितना आगे बढ़ते हैं, वाटर लेवल भी उतना ही बढ़ जाता है। यहां तक कि मेरी कार के बंपर तक पहुंच जाता है। यहां तक कि बाढ़ का पानी कार के भीतर भी कई बार घुस आता है। सोशल मीडिया पर अकसर ऐसे वीडियो और फोटो शेयर होते हैं, जिसमें शहर पूरी तरह पानी में डूबा नजर आता है। इसके चलते हर साल लागोस में 4 अरब डॉलर के कारोबार का नुकसान होता है।

यही नहीं क्लाइमेट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अटलांटिक के तट पर बसा 2.4 करोड़ की आबादी का लागोस शहर इस सदी के अंत तक रहने लायक नहीं रहेगा। इसकी वजह खराब ड्रेनेज सिस्टम और अनियंत्रित शहरी विकास है। नाइजीरिया की हाइड्रोलॉजिकल एजेंसी ने कहा कि यह बाढ़ सितंबर में और विनाशकारी होता है। यह महीना नाइजीरिया में बारिश के पीक का होता है। लागोस समुद्र के किनारे स्थित कई द्वीपों पर बसा हुआ है। तटीय इलाकों में जल स्तर बढ़ गया है और इसके चलते बस्तियों में पानी आ जाता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि क्लाइमेट चेंज के चलते यह हालात देखने को मिल रहे हैं और इस सदी के अंत तक यह शहर खत्म हो सकता है।

'इंसानों को संक्रमित करने के लिए कोरोना वायरस में बदलाव कर रहे थे चीनी वैज्ञानिक, लैब से हो गया लीक'

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी रिपब्लिकन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोरोना वायरस चीन के रिसर्च लैब से लीक हुआ था। रिपोर्ट में पर्याप्त सबूत का भी हवाला दिया गया है कि वुहान संस्थान ऑफ वायरोलॉजी (घ्ट्ट) के वैज्ञानिक अमेरिकी विशेषज्ञों और चीनी और अमेरिकी सरकार के फंड से सहायता प्राप्त मनुष्यों को संक्रमित करने के लिए कोरोना वायरस को मोडिफाइ करने के लिए काम कर रहे थे। सदन में टॉप रिपब्लिकन नेता और विदेश मामलों की समिति के प्रतिनिधि माइक मैककॉल ने पैनल की रिपोर्ट जारी करते हुए कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति की जांच का आग्रह किया। बता दें कि कोरोना वायरस से दुनिया भार में 40 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है।

चीन ने चीन ने आनुवंशिक रूप से मोडिफाई कोरोना वायरस के लीक होने से इनकार किया है। कोरोना वायरस का पहला मामला चीन के वुहान में मिला था। कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर पहले भी ऐसे कई दावे किया गए हैं लेकिन अभी तक सच्चाई सामने नहीं आ पाई है। दूसरी ओर चीन अपने पर लगे आरोपों से इनकार करता रहा है। कुछ विशेषज्ञों की राय है कि कोरोना महामारी किसी जानवर के कारण फैली है।